हिन्दी पखवाड़ा

14-26 सितम्बर, 2025

प्रतिवेदन

राजभाषा प्रकोष्ठ

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

हिन्दी पखवाड़ा

14-26 सितम्बर, 2025

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

प्रतिवेदन

प्रस्तावना

भारत की संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया और तब से इस दिवस को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 351 में संघ से यह अपेक्षा की गई है कि वह हिन्दी भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करे जिससे वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। संविधान की इसी भावना के अनुरूप देश का प्रत्येक केन्द्रीय कार्यालय राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशानिर्देशन में हिन्दी दिवस/हिन्दी सप्ताह/हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन करता है। एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय भी राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन करता है। माननीय कुलपति प्रो. वाय.एस. ठाकुर की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय का राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा इस वर्ष भी भाषा पर्व अर्थात हिन्दी दिवस को दिनांक 14 से 26 सितम्बर, 2026 तक 'हिन्दी पखवाड़ा' के रूप मे मनाया गया।

कार्यक्रम विवरण

हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा विश्वविद्यालय परिसर स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के छात्र-छात्राओं हेतु हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता, आशुभाषण प्रतियोगिता, भारतीय भाषाओं में अभिव्यक्ति एवं काव्यांजलि जैसी विभिन्न गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनका तिथिवार ब्यौरा निम्नानुसार है –

संरक्षक : प्रो. वाय.एस. ठाकुर, माननीय कुलपति
सह-संरक्षक : डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय, कुलसचिव
संयोजक : श्री संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी (प्र.)

क्र.	तिथि	कार्यक्रम विवरण	कार्यक्रम समन्वयक /निर्णायक	कार्यक्रम स्थल
1.	14 सितम्बर, 2025 (रविवार) प्रात: 10:00 बजे	गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं एग्जिबिशन सेंटर, गांधी नगर, गुजरात में आयोजित हिन्दी दिवस एवं अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का प्रसारण (मंत्रालय से कार्यक्रम की लिंक प्राप्त होने पर विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों को परिचालित की जाएगी।)	डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिया श्री सचिन सिंह गौतम सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ	गौर समिति कक्ष
2.	18 सितम्बर, 2025 (गुरूवार) अपराह्न 02:00 बजे	**भारतीय भाषाओं में अभिव्यक्ति** विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों हेतु 'भारतीय भाषा प्रकोष्ठ' के सौजन्य से)	प्रो. देवाशीष बोस डॉ. किरण आर्या	कौटिल्य भवन वैली कैम्पस अपराधशास्त्र सभागार
3.	19 सितम्बर, 2025 (शुक्रवार) पूर्वाह्न 11:00 बजे	**हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता** **विषय: विकसित भारत@2047** (केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-04 के विद्यार्थियों हेतु)	श्री आर.एस. वर्मा प्राचार्य एवं श्री योगेन्द्र कुमार टीजीटी (हिंदी) केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-04	केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-04
4.	22 सितम्बर, 2025 (सोमवार) पूर्वाह्न 11:00 बजे	**टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता** (नियमित एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों हेतु)	डॉ. आर.टी बेद्रे एवं डॉ. संजय नैनवाड़	मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र (एचआरडीसी)
5.	23 सितम्बर, 2025 (मंगलवार) अपराह्न 04:00 बजे	**आशुभाषण प्रतियोगिता** (विश्वविद्यालय के अधिकारियों हेतु)	श्री संतोष सोहगौरा संयुक्त कुलसचिव	गौर समिति कक्ष
6.	24 सितम्बर, 2025 (बुधवार) अपराह्न 02:00 बजे	**हिंदी यूनीकोड : परिचय एवं प्रयोग विषय पर हिंदी कार्यशाला** (विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु) **विषय विशेषज्ञ : डॉ. रूपेन्द्र चौरसिया** वरिष्ठ प्रणाली विश्लेषक	राजभाषा प्रकोष्ठ	रंगनाथन सभागार, पुस्तकालय विस्तार भवन

क्र.	तिथि	कार्यक्रम विवरण	कार्यक्रम समन्वयक /निर्णायक	कार्यक्रम स्थल
		एवं **श्री सचिन सिंह गौतम** नेटवर्किंग एडमिनिस्ट्रेटर		
7.	25 सितम्बर, 2025 (गुरूवार) अपराह्न 03:00 बजे	**काव्यांजलि** (विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु)	डॉ. हिमांशु कुमार एवं डॉ. अनूपी समैया	रंगनाथन सभागार, पुस्तकालय विस्तार भवन
8.	26 सितम्बर, 2025 (शुक्रवार) पूर्वाह्न 11:00 बजे	**विश्वविद्यालयी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 50वीं तिमाही बैठक एवं हिंदी पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह** **मुख्य अतिथि माननीय श्री मानेन्द्र सिंह** जिला जेल अधीक्षक, सागर (म.प्र.) **अध्यक्षता** **प्रो. वाय.एस. ठाकुर, मान. कुलपति**	राजभाषा प्रकोष्ठ	गौर समिति कक्ष

उद्‌घाटन समारोह

(14-15 सितम्बर, 2025)

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गांधीनगर, गुजरात में आयोजित हिन्दी दिवस समारोह-2025 एवं पंचम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन

राजभाषा विभाग द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष में 14-15 सितंबर, 2025 को गांधीनगर, गुजरात स्थित महात्मा मंदिर कन्वेंशन एंड एग्जिबिहिशन सेंटर में हिन्दी दिवस समारोह-2025 एवं पंचम् अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के उद्‌घाटन सत्र की अध्यक्षता माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने की। कार्यक्रम में गुजरात राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री अर्जुनराम मेघवाल, गृह राज्य मंत्री श्री बंडी संजय कुमार, संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष श्री भर्तहरी माहताब, गांधीनगर के सांसद श्री दिनेश मकवाना, गुजराती एवं हिंदी के अनन्य सेवक प्रो. विजय पाण्ड्या, राजभाषा विभाग की सचिव श्रीमती अंशुलि आर्या एवं संयुक्त सचिव डॉ. मीनाक्षी जौली आदि उपस्थित रहे। सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागिता की।

विश्वविद्यालय में भी उक्त कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की व्यवस्था गौर समिति कक्ष, नवीन प्रशासनिक भवन में की गई थी। गौर समिति कक्ष में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ प्रोफेसर एवं निदेशक महाविद्यालय विकास परिषद प्रो. नेत्रपाल ने की। उन्होंने सभी की हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि हमारे माननीय कुलपति प्रो. वाय.एस. ठाकुर में मागदर्शन में हमारे विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। आप सभी पूर्ण मनोयोग से जुड़कर इसे सफल बनाएं। इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टीए, सहायक कुलसचिव श्री राजकुमार पाल, नेटवर्किंग एडमिनिस्ट्रेटर श्री सचिन सिंह गौतम, सहायक प्राध्यापक डॉ. महेन्द्र आर्य, आनंद चौरसिया, मयंक रजक, आकाश चौरसिया, मयंक सोनी, अरविंद पटेल, गंगाराम पटेल, श्री राजेश कुमार सोनी आदि उपस्थित रहे। विविध संचार माध्यमों से प्रसारित कार्यक्रम की लिंक के माध्यम से भी विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य कार्यक्रम के साक्षी बने। कार्यक्रम का समन्वयन सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री रूपेन्द्र जुगल चौरसिया ने किया। धन्यवाद ज्ञापन राजभाषा विभाग के अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग श्री विनोद रजक का रहा।

देशबंधु, सागर दिनांक 19 सितम्बर, 2025

अखिल भारतीय स्तर पर हिन्दी दिवस एवं पखवाड़े का भव्य शुभारंभ

इस वर्ष राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष में 14-15 सितंबर को गांधीनगर गुजरात में हिन्दी दिवस समारोह 2025 एवं पंचम् अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री, भारत सरकार अर्जुनराम मेघवाल, गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष भर्तृहरी माहताब आदि अतिथि उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में विवि के प्रतिनिधि के रूप में संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागिता की। विवि में भी उक्त कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की व्यवस्था की गई थी। हिन्दी पखवाड़ा. 2025 के संयोजक सोहगौरा ने बताया कि हिन्दी पखवाड़ा के दौरान भी सभी वर्गों हेतु विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में कल केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 के विद्यार्थियों के लिये विकसित भारत/2047 विषय पर हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

भारतीय भाषाओं में अभिव्यक्ति

(18 सितम्बर, 2025)

राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा- 2025 के अंतर्गत भारतीय भाषा प्रकोष्ठ के सौजन्य से 'भारतीय भाषाओं में अभिव्यक्ति' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अपराधशास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रो. ममता पटेल ने किया। उन्होंने बताया कि विचारों की अभिव्यक्ति के लिए भाषा के साथ-साथ भावभंगिमा का भी महत्व है। इसलिए हमें भाषा के व्याकरण, शब्दावली के साथ-साथ उसकी संस्कृति से भी परिचित होना आवश्यक है ताकि अभिव्यक्ति को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

उक्त अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा के संयोजक श्री संतोष सोहगौरा ने बताया कि भारतीय भाषाओं की समृद्धि में ही हिन्दी का उत्थान निहित है। हिंदी भारतीय बोलियों और भाषाओं की ही उपज है। आज की जो हिंदी है उसमें भारत की प्रमुख भाषाओं के तथा प्रमुख भाषाओं के शब्द शामिल हैं। विश्वविद्यालय बहुभाषिक संस्कृति के संवर्धन हेतु प्रतिबद्ध है। भारतीय भाषा प्रकोष्ठ की ओर से कार्यक्रम समन्यक की भूमिका का निर्वहन कर रहे डॉ. रूपेन्द्र चौरसिया ने बताया कि विश्वविद्यालय में अभी 21 राज्यों के लगभग 18 भारतीय भाषा भाषाओं के विद्यार्थी एवं शिक्षकगण अध्ययन-अध्यापन में रमे हुए हैं। उनकी भाषा एवं संस्कृति के संरक्षण-संवर्धन हेतु भारतीय भाषा प्रकोष्ठ प्रो. देवाशीष बोस के नेतृत्व में अनवरत कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टी.ए., सहायक प्राध्यापक डॉ. चिट्टीबाबू पुच्चा, डॉ. एस. सेल्वाकुमार एवं डॉ. एम.एस.कर्णा सहायक कुलसचिव श्रीमती ए.लक्ष्मी एवं श्रीमती ममता त्रिपाठी विद्यार्थियों में एम. अरुणाश्री, डी. गोवर्धन, हरी, आशा के., सल्मनराज ई., कार्थिवेलन आर, प्रियांश बड़ोदरिया, अदिति मोदक, निशा, विकास एस., जगेन्द्र कुमार कुशवाहा प्रभांशु बांगर, पियूष चौरसिया, शुभम साहू, अंकिता राजपूत, अभिषेक राजवंशी, दयाशंकर विश्वकर्मा, हर्षिता सेन, हेमंत जाटव, अपूर्व रोहिल्ला, ऋषिराज जी., शिवानंद सोनी, अंशिका यादव, राहुल, सुशांत कुमार प्रधान, विक्रम सिंह सहित बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के हिन्दीतर भाषा भाषी शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। आभार ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक डॉ. रूपेन्द्र चौरसिया ने किया। संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग श्री विनोद रजक का रहा।

हिंदी परववाड़ाः भारतीय भाषाओं में अभिव्यक्ति कार्यक्रम सम्पन्न

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के कौटिल्य भवन सभागार में राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कुलपति प्रो. वायएस ठाकुर के मार्गदर्शन मे 14 से 26 सितम्बर तक आयोजित हिन्दी पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत भारतीय भाषा प्रकोष्ठ के सौजन्य से भारतीय भाषाओं में अभिव्यक्ति कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। शुभारंभ अपराधशास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रो. ममता पटेल ने किया। उन्होंने बताया कि विचारों की अभिव्यक्ति के लिये भाषा के साथ-साथ भावभंगिमा का महत्व है। इसलिये हमें भाषा के व्याकरण, शब्दावली के साथ-साथ उसकी संस्कृति से भी परिचित होना आवश्यक है ताकि अभिव्यक्ति को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। हिन्दी पखवाड़ा के संयोजक संतोष सोहगौरा ने बताया कि भारतीय भाषाओं की समृद्धि में ही हिन्दी का उत्थान निहित है। हिंदी भारतीय बोलियों और भाषाओं की ही उपज है। आज की जो हिंदी है उसमें भारत की प्रमुख भाषाओं एवं बोलियों के शब्द शामिल हैं। ये विश्वविद्यालय बहुभाषिक संस्कृति के संवर्धन हेतु प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विवि के हिन्दीतर भाषा भाषी शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। आभार ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक डॉ. रूपेन्द्र चौरसिया ने किया। संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग विनोद रजक का रहा।

अखिल भारतीय स्तर पर हिन्दी दिवस एवं पखवाड़े का भव्य शुभारंभ

इस वर्ष राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष में 14-15 सितंबर को गांधीनगर गुजरात में हिन्दी दिवस समारोह 2025 एवं पंचम् अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री, भारत सरकार अर्जुनराम मेघवाल, गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष भर्तृहरी माहताब आदि अतिथि उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में विवि के प्रतिनिधि के रूप में संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागिता की। विवि में भी उक्त कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की व्यवस्था की गई थी। हिन्दी पखवाड़ा. 2025 के संयोजक सोहगौरा ने बताया कि हिन्दी पखवाड़ा के दौरान भी सभी वर्गों हेतु विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में कल केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 के विद्यार्थियों के लिये विकसित भारत/2047 विषय पर हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

हिंदी भारतीय बोलियों की ही उपज है

सागर : डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कौटिल्य भवन सभागार में राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कुलपति प्रो . वायएस ठाकुर की प्रेरणा से 14 से 26 सितंबर तक हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अपराधशास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रो . ममता पटेल ने किया। इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा के संयोजक संतोष सोहगौरा ने बताया कि भारतीय भाषाओं की समृद्धि में ही हिन्दी का उत्थान निहित है। हिंदी भारतीय बोलियों और भाषाओं की ही उपज है।

दैनिक **दबंग बुन्देलखण्ड** सच का साहस...... | **सागर** | टीकमगढ़, शनिवार 20 सितम्बर 2025 | **2**

विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत भारतीय भाषाओं में अभिव्यक्ति कार्यक्रम संपन्न

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश?वविद्यालय सागर के कौटिल्य भवन सभागार में राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कुलपति प्रो. वाय.एस. ठाकुर की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से 14-26 सितम्बर, 2025 तक आयोजित हिन्दी पखवाड़ा-2025 के अंतर्गत भारतीय भाषा प्रको?ठ के सौजन्य से भारतीय भाषाओं में अभिव्यक्ति कार्यक्रम सफलता पूर्वक समन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अपराधशास?त्र विभाग की अ?यक्ष प्रो. ममता पटेल ने किया। उ?होंने बताया कि विचारों की अभि?यक्ति के लिए भाषा के साथ-साथ भावभंगिमा का भी महत?व है। इसलिए हमें भाषा के ?याकरण, श?दावली के साथ-साथ उसकी संस?कृति से भी परिचित होना आवश?यक है ताकि अभि?यक्ति को अधिक प्रभावी बनाया जा सके। उक?त अवसर पर हि?दी पखवाड़ा के संयोजक संतोष सोहगौरा ने बताया कि भारतीय भाषाओं की समृद्धि में ही हि?दी का उत?थान निहित है। हिंदी भारतीय बोलियों और भाषाओं की ही उपज है। आज की जो हिंदी है उसमें भारत की प्रमुख भाषाओं एवं बोलियों के शब्द शामिल हैं। ये विश?वविद्यालय बहुभाषिक संस?कृति के संवर्धन हेतु प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर बड़ी संख?या में विश?वविद्यालय के हि?दीतर भाषा-भाषी शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। आभार ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक डॉ. रूपे?द्र चौरसिया ने किया। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा प्रको?ठ के अभिषेक सक?सेना ने किया। विशेष सहयोग विनोद रजक का रहा।

केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर हिन्दी दिवस एवं पखवाड़ा का भव्य शुभारंभ

?यातव?य है कि इस वर्ष राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष में 14-15 सितंबर, 2025 को गांधीनगर, गुजरात स्थित महात?मा मंदिर क?वेंशन एंड एग्जिबि?हिशन सेंटर में हि?दी दिवस समारोह- 2025 एवं पंचम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम?मेलन के उद्घाटन सत्र की अ?यक्षता केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने की। कार्यक्रम में गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री, भारत सरकार,अर्जुनराम मेघवाल, गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, संसदीय राजभाषा समिति के उपा?यक्ष भर्तृहरी माहताब, गांधीनगर के सांसद दिनेश मकवाना, गुजराती एवं हिंदी के अन?य सेवक प्रो. विजय पाण?ड्या, राजभाषा विभाग की सचिव श्रीमती अंशुलि आर्या एवं संयुक?त सचिव डॉ. मीनाक्षी जौली आदि गणमान?य अतिथिगण उपस्थित रहे। सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से उक?त कार्यक्रम में विश?वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय में भी उक्त कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की व्यवस्था सूचना प्रौद्योगिकी प्रको?ठ के सहयोग से गौर समिति कक्ष, नवीन प्रशासनिक भवन में की गई थी।

हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता

(19 सितम्बर, 2025)

हिन्दी पखवाड़ा-2025 के अंतर्गत विश्वविद्यालय स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के विद्यार्थियों के लिए **'विकसित भारत @2027'** विषय पर 'हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की सुंदर लिखावट एवं विषयवस्तु का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी (प्र.) ने कहा कि लिखावट व्यक्तित्व को परिलक्षित करती है। मोबाइल एवं तकनीकी के इस समय में भी कागज-कलम का ऐसा सुंदर प्रयोग हमें आश्वस्त करता है कि हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए विद्यार्थियों द्वारा अभिव्यक्त विचारों की सराहना करते हुए कहा कि भारत का युवा सकारात्मक दूरदृष्टिसे सम्पन्न है जो हमें देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए आश्वस्त करता है।

प्रतियोगिता के समन्वयक एवं केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के प्राचार्य श्री आर.एस. वर्मा ने बताया कि हमारे नौनिहाल भविष्य के भारत की नींव हैं उनमें अपने देश, अपनी भाषा एवं अपनी संस्कृति के प्रति गौरव का भाव है। उनकी ऊर्जा को सही दिशा मिले यह

उत्तरदायित्व हमारा है जिसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। प्रतियोगिता आयोजन में सहयोग प्रदान कर रहे विद्यालय के हिन्दी शिक्षक श्री योगेन्द्र त्यागी ने बताया कि प्रतियोगिता में पचास से भी अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की है। यह संख्या भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में देखेने की बच्चों की अभिलाषा को प्रकट करती है।

प्रतियोगिता में वेदिका दुबे, अनुश्री, यशिका गुजरिया, रक्षा तिवारी, तन्वी सूर्यवंशी, शिवांगी, अदिति दुबे, आराध्या मिश्रा, आकांक्षा रक्षक, पूजा सैनी, अनामिका अहिरवार, रचित श्रीवास्तव, कृष्णा गौर, कार्तिक चौरसिया, वेदांत दुबे, अधिराज तिवारी, विशाल पटेल, अनिल धुर्वे एवं आयुष गर्ग सहित लगभग 80 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता सुनिश्चित की। इस दौरान विशिष्ट उपस्थिति केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 से वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती रंजना वर्मा, कक्षा शिक्षक श्री टीकाराम अहिरवार, श्री कमलेंद्र सोलंकी, श्री महेंद्र सिंह राजपूत आदि की रही। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 26 सितम्बर, 2025 को मुख्य कार्यक्रम के दौरान माननीय कुलपति महोदय द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जायेंगे। इस अवसर पर राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक भी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 में हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता सम्पन्न

सागर(एसबीन्यूज)। डॉक्ट्र हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा माननीय कुलपति प्रो. वाय.एस. ठाकुर की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से 14-26 सितम्बरर, 2025 तक आयोजित हिन्दु पखवाड़ा-2025 के अंतर्गत 'विकसित भारत @2027' विषय पर विश्व विद्यालय स्थित केन्द्री य विद्यालय क्रमांक- 04 के विद्यार्थियों के लिए 'हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता' सफलतापूर्वक सम्पयन्न हुई। इस अवसर पर विद्यार्थियों की सुंदर लिखावट एवं विषयवस्तुय का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्तु कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी (प्र.) ने कहा कि लिखावट व्येक्तित्वे को परिलक्षित करती है। प्रतियोगिता में वेदिका दुबे, अनुश्री, यशिका गुजरिया, रक्षा तिवारी, तन्वी सूर्यवंशी, शिवांगी, अदिति दुबे, आराध्या मिश्रा, आकांक्षा रक्षक, पूजा सैनी, अनामिका अहिरवार, रचित श्रीवास्तव, कृष्णा गौर, कार्तिक चौरसिया, वेदांत दुबे, अधिराज तिवारी, विशाल पटेल, अनिल धुर्वे एवं आयुष गर्ग सहित लगभग 80 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता सुनिश्चित की। इस दौरान विशिष्ट, उपस्थिति केन्द्रीशय विद्यालय क्रमांक 04 से वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती रंजना वर्मा, कक्षा शिक्षक टीकाराम अहिरवार, कमलेंद्र सोलंकी, महेंद्र सिंह राजपूत आदि की रही। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 26 सितम्बर, 2025 को मुख्यद कार्यक्रम के दौरान माननीय कुलपति महोदय द्वारा पुरस्का एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जायेंगे। हिन्दी पखवाड़ा संयोजक संतोष सोहगौरा ने विश्वाविद्यालय के कार्मिकों से प्रतिभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्ज्वल है : संतोष सोहगौर।

सागर . डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय हिंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 के विद्यार्थियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता हुई। संयोजक संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौर ने कहा कि लिखावट व्यक्तित्व को परिलक्षित करती है। मोबाइल एवं तकनीकी के इस समय में भी कागज-कलम का ऐसा सुंदर प्रयोग हमें आश्वस्त करता है कि हिंदी एवं भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्ज्वल है। भारत का युवा सकारात्मक दूर दृष्टि से संपन्न है, जो हमें देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए आश्वस्त करता है। प्रतियोगिता में वेदिका दुबे, अनुश्री, यशिका गुजरिया, रक्षा तिवारी, तन्वी सूर्यवंशी, शिवांगी, अदिति दुबे, आराध्या मिश्रा, आकांक्षा रक्षक, पूजा सैनी, अनामिका अहिरवार, रचित श्रीवास्तव, कृष्णा गौर, कार्तिक चौरसिया, वेदांत दुबे, अधिराज तिवारी, विशाल पटेल, अनिल धुर्वे एवं आयुष गर्ग सहित लगभग 80 विद्यार्थियों ने भागीदारी की।

हिंदी पखवाड़ाः केन्द्रीय विद्यालय-4 में हुई हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता

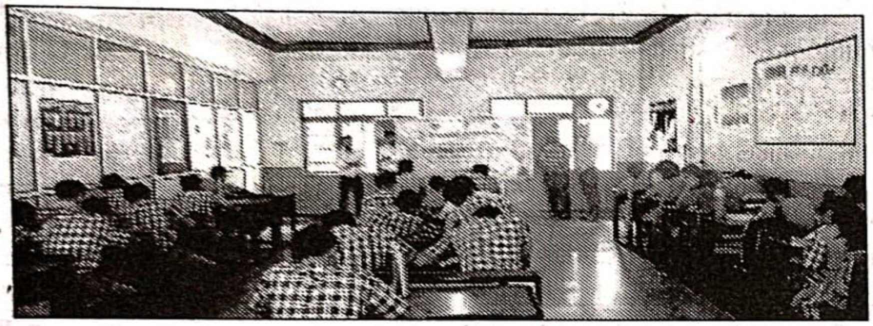

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कुलपति प्रो. वायएस ठाकुर के मार्गदर्शन मे 14 से 26 सितम्बर तक आयोजित हिन्दी पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत विकसित भारत 2027 विषय पर विवि स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्र. 04 के विद्यार्थियों के लिये हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस अवसर पर विद्यार्थियों की सुंदर लिखावट एवं विषयवस्तु का अवलोकन करते हुये कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा ने कहा कि लिखावट व्यक्तित्व को परिलक्षित करती है। मोबाइल एवं तकनीकी के इस समय में भी कागज-कलम का ऐसा सुंदर प्रयोग हमें आश्वस्त करता है कि हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिये विद्यार्थियों द्वारा अभिव्यक्त विचारों की सराहना करते हये कहा कि भारत का युवा सकारात्मक दूरदृष्टि से संपन्न है जो हमें देश के उज्ज्वल भविष्य के लिये आश्वस्त करता है। प्रतियोगिता के समन्वयक एवं केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 के प्राचार्य आरएस वर्मा ने बताया कि हमारे नौनिहाल भविष्य के भारत की नींव हैं उनमें अपने देश, अपनी भाषा एवं अपनी संस्कृति के प्रति गौरव का भाव है। उनकी ऊर्जा को सही दिशा मिले यह उत्तरदायित्व हमारा है जिसके लिये हम निरंतर प्रयासरत हैं। प्रतियोगिता आयोजन में सहयोग प्रदान कर रहे विद्यालय के हिन्दी शिक्षक योगेन्द्र त्यागी ने बताया कि प्रतियोगिता में पचास से भी अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की है। यह संख्या भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में देखेने की बच्चों की अभिलाषा को प्रकट करती है। प्रतियोगिता में लगभग 80 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता सुनिश्चित की। इस दौरान उपस्थिति केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 से वरिष्ठ शिक्षिका रंजना वर्मा, कक्षा शिक्षक टीकाराम अहिरवार, कमलेंद्र सोलंकी, महेंद्र सिंह राजपूत आदि की रही। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 26 सितम्बर को मुख्य कार्यक्रम के दौरान कुलपति द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये जायेंगे। इस अवसर पर राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक भी उपस्थित रहे।

टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता

(22 सितम्बर, 2025)

हिन्दी पखवाड़ा-2025 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों हेतु मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र में **'टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता'** आयोजित की गयी। इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा के संयोजक एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सचिवालयीन एवं प्रशासनिक कामकाज में नोटशीट व पत्र लेखन के महत्व का रेखांकित किया और बताया कि यह प्रतियोगिता लेखन के ज्ञान एवं कौशल के उत्कृष्ट प्रदर्शन का अवसर है। प्रतियोगिता के समन्वयक मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र के निदेशक डॉ. आर.टी. बेद्रे ने बताया कि टिप्पण एवं प्रारूप लेखन के लिए न केवल भाषा

का ज्ञान बल्कि विषय व उससे संबंधित नियमों की समुचित जानकारी होना भी अतिआवश्यक है। प्रतियोगिता के सह-समन्वयक एवं हिन्दी विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. संजय नैनवाड ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आत्म-मूल्यांकन एवं उत्तरोतर सीखते रहने के लिए प्रेरक का काम करती हैं।

प्रतियोगिता में प्रतिभागी के रूप में ओम सैनी, यदुराज, सुमंत नामदेव, महेन्द्र गौतम, साकेत दुबे, आदित्य तिवारी, आदित्य बरमैंया, प्रवीण साहू, अंकित जैन, शशि श्रीवास्तव, अभिजित देव, अमन जैन, अनस खान, पियूष चौरसिया, हिमांशु, शिवानी चौरसिया, दानिश खान, आकांक्षा चौबे, प्रज्ञा गौर, प्रभांशु तिवारी, अभिनव अग्निहोत्री, बृजेश साहू, अमित कनौजिया, शुभम साहू, कंचन पाल, रितु ठाकुर, मनोज कुमार कावड़े, सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत लगभग 30 कर्मचारियों ने अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 26 सितम्बर को माननीय कुलपति द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जायेंगे। इस महत्वपूर्ण आयोजन में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र के कर्मचारियों की भूमिका सराहनीय रही। कार्यक्रम में राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना और विनोद रजक भी उपस्थित रहे।

राजभाषा में कार्य करने से कर्मचारियों में एकता और अपनेपन की भावना प्रबल होती है, काम की गुणवत्ता भी बढ़ती है : सोहगौरा

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा प्रभारी कुलपति प्रो. वायएस ठाकुर के मार्गदर्शन में हिंदी पखवाड़ा के तहत विवि के कर्मचारियों के लिए टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता की गई। हिंदी पखवाड़ा के संयोजक एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सचिवालयीन एवं प्रशासनिक कामकाज में नोटशीट व पत्र लेखन के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया यह प्रतियोगिता लेखन के ज्ञान एवं कौशल के उत्कृष्ट प्रदर्शन का अवसर है। उन्होंने कहा राजभाषा में कार्य करने से कार्मिकों में एकता और अपनेपन की भावना प्रबल होती है। विवि के

कार्मिकों में सक्रिय भागीदारी सकारात्मक कार्यसंस्कृति का निर्माण करती है। कार्मिकों के कार्य की रफ्तार और गुणवत्ता बढ़ाने में राजभाषा सहायक होती है। प्रतियोगिता के समन्वयक मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक डॉ. आरटी बेंद्रे ने बताया टिप्पण एवं प्रारूप लेखन के लिए न केवल भाषा का ज्ञान बल्कि विषय व उससे संबंधित नियमों की समुचित जानकारी होना भी अतिआवश्यक है। प्रतियोगिता के सहसमन्वयक एवं हिंदी विभाग के सहप्राध्यापक डॉ. संजय नैनवाड ने बताया इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आत्म-मूल्यांकन एवं उत्तरोतर सीखते रहने के लिए प्रेरक का काम करती हैं। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 30 कर्मचारियों ने अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 26 सितंबर को कुलपति द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम में राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना और विनोद रजक भी मौजूद थे। विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन 14 सितंबर से चल रहा है। जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

कार्यक्रमों की अगली कड़ी में विश्वविद्यालय के अधिकारियों के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता गौर समिति कक्ष में आयोजित की जा रही है। पखवाड़ा का समापन 26 सितंबर को होगा।

टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के कार्मिकों की कार्यदक्षता का प्रदर्शन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कुलपति प्रो. वायएस ठाकुर के मार्गदर्शन मे 14 से 26 सितम्बर को आयोजित हिन्दी पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत विवि के समस्त कर्मचारियों हेतु मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र में टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा के संयोजक एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सचिवालयीन एवं प्रशासनिक कामकाज में नोटशीट व पत्र लेखन के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि यह प्रतियोगिता लेखन के ज्ञान एवं कौशल के उत्कृष्ट प्रदर्शन का अवसर है। प्रतियोगिता के समन्वयक मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र के निदेशक डॉ. आरटी बेद्रे ने बताया कि टिप्पण एवं प्रारूप लेखन के लिये न केवल भाषा का ज्ञान बल्कि विषय व उससे संबंधित नियमों की समुचित जानकारी होना भी अतिआवश्यक है। सह समन्वयक एवं हिन्दी विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. संजय नैनवाड ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगितायें आत्म मूल्यांकन एवं उत्तरोतर सीखते रहने के लिये प्रेरक का काम करती हैं। प्रतियोगिता में प्रतिभागी के रूप में विवि के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत लगभग 30 कर्मचारियों ने अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 26 सितम्बर को कुलपति द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जायेंगे। इस आयोजन में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र के कर्मचारियों की भूमिका सराहनीय रही। कार्यक्रम में राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना और विनोद रजक उपस्थित रहे। कार्यक्रमों की अगली कड़ी में विवि के अधिकारियों हेतु आशुभाषण प्रतियोगिता गौर समिति कक्ष में आयोजित की जा रही है।

टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के कार्मिकों की कार्यदक्षता का प्रदर्शन

सागर(एसबीन्यूज)। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा माननीय कुलपति प्रो. वाय.एस. ठाकुर की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से 14-26 सितम्बर, 2025 को आयोजित हिन्दी पखवाड़ा-2025 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों हेतु मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र में 'टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता' आयोजित की गयी। इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा के संयोजक एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सचिवालयीन एवं प्रशासनिक कामकाज में नोटशीट व पत्र लेखन के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि यह प्रतियोगिता लेखन के ज्ञान एवं कौशल के उत्कृष्ट प्रदर्शन का अवसर है। प्रतियोगिता के समन्वयक मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र के निदेशक डॉ. आर.टी. बेद्रे ने बताया कि टिप्पण एवं प्रारूप लेखन के लिए न केवल भाषा का ज्ञान बल्कि विषय व उससे संबंधित नियमों की समुचित जानकारी होना भी अतिआवश्यक है। प्रतियोगिता के सह-समन्वयक एवं हिन्दी विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. संजय नैनवाड ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आत्म-मूल्यांकन एवं उत्तरोतर सीखते रहने के लिए प्रेरक का काम करती हैं।

प्रतियोगिता में प्रतिभागी के रूप में ओम सैनी, यदुराज, सुमंत नामदेव, महेन्द्र गौतम, साकेत दुबे, आदित्य तिवारी, आदित्या बरमैंया, प्रवीण साहू, अंकित जैन, शशि श्रीवास्तव, अभिजित देव, अमन जैन, अनस खान, पियूष चौरसिया, हिमांशु, शिवानी चौरसिया, दानिश खान, आकांक्षा चौबे, प्रज्ञा गौर, प्रभांशु तिवारी, अभिनव अग्निहोत्री, बृजेश साहू, अमित कनौजिया, शुभम साहू, कंचन पाल, रितु ठाकुर, मनोज कुमार कावड़े, सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत लगभग 30 कर्मचारियों ने अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 26 सितम्बर को माननीय कुलपति द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जायेंगे। इस महत्वपूर्ण आयोजन में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र के कर्मचारियों की भूमिका सराहनीय रही। कार्यक्रम में राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना और विनोद रजक भी उपस्थित रहे।

'प्रतियोगिता लेखन के ज्ञान एवं कौशल के उत्कृष्ट प्रदर्शन का अवसर है'

सागर : डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कुलपति प्रो. वायएस ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों के लिए मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र में टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने सचिवालयीन एवं प्रशासनिक कामकाज में नोटशीट व पत्र लेखन के महत्व को रेखांकित किया एवं बताया कि यह प्रतियोगिता लेखन के ज्ञान एवं कौशल के उत्कृष्ट प्रदर्शन का अवसर है। प्रतियोगिता के समन्वयक मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र के निदेशक डॉ. आर.टी. बेद्रे ने बताया कि टिप्पण एवं प्रारूप लेखन के लिए न केवल भाषा का ज्ञान बल्कि विषय व उससे संबंधित नियमों की समुचित जानकारी होना भी अतिआवश्यक है। सह-प्राध्यापक डा. संजय नैनवाड ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आत्म-मूल्यांकन एवं उत्तरोतर सीखते रहने के लिए प्रेरक का काम करती हैं। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 26 सितम्बर को कुलपति द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। कार्यक्रम में राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना और विनोद रजक भी उपस्थित रहे।

आशुभाषण प्रतियोगिता

(23 सितम्बर, 2025)

हिन्दी पखवाड़ा-2025 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के अधिकारियों के लिए **आशुभाषण प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम- 2025 के संयोजक तथा राजभाषा अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव श्री संतोष सोहगौरा ने आरंभिक उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए कहा कि सम-सामयिक वैश्विक, सामाजिक एवं आर्थिक हलचलों पर केन्द्रित एवं राष्ट्र के विकास हेतु आवश्यक मुद्दों पर चिंतन करना देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है, विशेषकर प्रशासनिक अधिकारियों के लिए यह और भी आवश्यक हो जाता है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं वास्तव में इन्हीं ज्वलंत मुद्दों पर अपने विचारों को अभिव्यक्त करने का मंच उपलब्ध कराती हैं।

प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने विभिन्न सम-सामयिक विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। नेटवर्किंग प्रशासक सचिन सिंह गौतम ने 'मेरी अविस्मरणीय यात्रा एवं भोजन का वृतांत', वरिष्ठ प्रणाली विश्लेषक रूपेन्द्र चौरसिया ने 'ई-गवर्नेंस', सहायक कुलसचिव श्रीमती ममता त्रिपाठी ने 'बेहतर कौन- एनपीएस या यूपीएस', सहायक कुलसचिव श्रीमती ए. लक्ष्मी ने 'ऑपरेशन सिंदूर', सहायक कुलसचिव दीपक कुमार शाक्य ने 'जेन-ज़ी क्रांति और हमारा पड़ोस', सहायक कुलसचिव राजू प्रसाद ने 'ग्रामीण भारत और आर्थिक

सशक्तीकरण', पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टी.ए. ने 'अक्षय ऊर्जा : संभावनाएं और चुनौतियां, विधि अधिकारी ब्रजभूषण सिंह ने 'सोशल मीडिया और हमारे सामाजिक संबंध' तथा सहायक कुलसचिव राजकुमार पाल ने 'हमारे जीवन पर जी.एस.टी. 2.0 का प्रभाव' विषय पर अपने विचार रखे। प्रतियोगिता का संचालन हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग विनोद रजक का रहा।

प्रतियोगिता में अभिव्यक्ति हेतु ऑपरेशन सिंदूर, जेन-ज़ी क्रांति और भारत का पड़ोस, वैश्विक मानक एवं भारतीय उच्चतर शिक्षा, विकसित भारत @ 2047, उच्चतर शिक्षा: प्रशासनिक नवाचार और हम, सुशासन: पारदर्शिता और जवाबदेही, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास, समान नागरिक संहिता (यूसीसी), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और देश का भविष्य, ई-गवर्नेंस, पंच प्रण और नए भारत का निर्माण, डिजिटल युग में राजभाषा हिन्दी का भविष्य, सोशल मीडिया और हमारे सामाजिक संबंध, पोषण और स्वास्थ्य, मातृभाषा और देश का विकास, हमारे जीवन पर जीएसटी 2.0 का प्रभाव, जनजातीय परम्परा एवं संस्कृति, भारतीय ज्ञान परम्परा, बेहतर कौन? एनपीएस या यूपीएस, सप्ताहांत का सार्थक उपयोग, ग्रामीण भारत का आर्थिक सशक्तीकरण, धार्मिक पर्यटन, मेरी अविस्मरणीय यात्रा एवं भोजन का वृतांत, योग एवं ध्यान डॉ. गौर : व्यक्तित्व और कृतित्व, आर्थिक स्वावलंबन : विकसित भारत का आधार, स्वरोजगार और स्टार्टअप, अमरीकी टैरिफ और भारत की व्यापार नीति, अक्षय ऊर्जा : संभावनाएं और चुनौतियां तथा स्वच्छ भारत अभियान 4.0 जैसे रोचक एवं समसामयिक विषय रखे गए।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह-2025
14-26 सितम्बर, 2025
आशुभाषण प्रतियोगिता
(विश्वविद्यालय के अधिकारियों हेतु)
23 सितम्बर 2025
अपराह्न 04.00 बजे
गौर समिति कक्ष
संरक्षक
प्रो. वाय.एस. ठाकुर
कार्यक्रम समन्वयक
संतोष सोहगौरा
संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी
आयोजक

हिन्दी पखवाड़ा समारोह-2025
आशुभाषण प्रतियोगिता

हिन्दी पखवाड़ा समारोह-2025
आशुभाषण प्रतियोगिता

‘हिंदी यूनीकोड: परिचय एवं प्रयोग’ विषय पर हिन्दी कार्यशाला

(24 सितम्बर, 2025)

हिन्दी पखवाड़ा-2025 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए **‘हिंदी यूनीकोड: परिचय एवं प्रयोग’** विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की प्रस्तावना रखते हुए हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागियों को राजभाषा कार्यान्वयन तथा दैनन्दिन कार्यालयीन कामकाज में हिंदी यूनीकोड के प्रयोग को आवश्यक एवं सुविधाजनक बताया। उन्होंने बताया कि हिंदी के प्रचलित फांट जैसे- क्रुतिदेव, डेविलस आदि सिस्टम स्पेसिफिक होते हैं। यदि आपके कम्प्यूटर सिस्टम में वह फांट उपलब्ध नहीं है तो सामग्री अपठनीय हो जायेगी। इस असुविधा से बचने के लिए यूनीकोड का प्रयोग आवश्यक है।

विषय-विशेषज्ञ एवं विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रणाली विश्लेषक श्री रूपेन्द्र चौरसिया ने बताया कि यूनीकोड न तो कोई फांट है और ना ही टंकण टूल। वस्तुत: यह एक तकनीकी है जिसमें विश्वस्तर पर प्रचलित प्रत्येक लिपि की वर्णमाला के अक्षर को चार अंकों का यूनिक कोड प्रदान किया गया है। इस प्रकार यह भाषाओं के एकीकरण के लिए भी बहुत उपयोगी साबित होती है।

विश्वविद्यालय के नेटवर्किंग प्रशासक श्री सचिन सिंह गौतम ने प्रयोगात्मक सत्र में विश्वविद्यालय में प्रचलित ई-गवर्नेंस माड्यूल्स में हिन्दी के प्रयोग पर विस्तार से चर्चा की। सत्र को रोचक एवं संवादात्मक बनाते हुए उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का दैनन्दिन कार्यालयीन कामकाज से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से निराकरण किया।

कार्यशाला में पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टी.ए., सहायक कुलसचिव श्रीमती ए.लक्ष्मी, श्रीमती ममता त्रिपाठी, अनुभाग अधिकारी रजनीश जैन एवं रोहित रघुवंशी तथा अजब सिंह, सच्चिदानंद मिश्रा, अभिजीत देब, अमित कनौजिया, निशांत सोनी, आदित्य बरमैया, देवीदीन कोल, प्रवीण साहू, अमन जैन, महेन्द्र गौतम, शुभम साहू, अभिनय श्रोती, ब्रजेश साहू, आकाश शर्मा, ओम सैनी, प्रज्ञा गौर, शशि श्रीवास्तव, आकांक्षा पाण्डेय, पीयूष चौरसिया, प्रभांशु बांगर, अंकित जैन, प्रभांशु तिवारी, साकेत दुबे, शुभम पटेल, श्याम सेन, अभिनव अग्निहोत्री, अनस खान, नीतेश जैन, प्रबल पाण्डेय, हर्ष तिवारी, शिवानी चौरसिया, रितु ठाकुर, अदित उपाध्याय, राखी खटीक, हिमांशु हरिनखेड़े, प्रशांत सिंह, आयुष सोनी, आदित्य तिवारी, यदुराज यादव, आशीष सैनी, राजाराम चटर्जी, हर्ष कुमार शाण्डिलय, देवेन्द्र कुमार सिलार, रघुराज सिंह ठाकुर, रामाशीष श्रीवास्तव एवं मनोज कुमार कावड़े सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया विशेष सहयोग विनोद रजक एवं सूचना वैज्ञानिक दयानंदप्पा कोरी का रहा।

Department of Official Language
భారతి - Bahubhashi Anuvada Sarthi

हिन्दी पखवाड़ा समारोह-2025
14-26 सितम्बर, 2025
हिन्दी कार्यशाला
हिन्दी यूनीकोड
परिचय एवं प्रयोग
(विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु)
24 सितम्बर 2025
अपराह्न 02.00 बजे
राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

काव्यांजलि

(25 सितम्बर, 2025)

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा समारोह 2025 के अंतर्गत 25 सितम्बर, 2025 को एक सशक्त एवं साहित्यिक गरिमा से परिपूर्ण कार्यक्रम **"काव्यांजलि"** का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संरक्षक माननीय कुलपति प्रोफेसर वाय. एस. ठाकुर के नेतृत्व में संचालित किया गया।कार्यक्रम के संयोजक श्री संतोष सहगौरा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए हिंदी पखवाड़ा के उद्देश्य और महत्त्व को विस्तार से बताया। वहीं समन्वयक डॉ. हिमांशु कुमार एवं डॉ. अनुपी समैया ने कार्यक्रम के संचालन और समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

"काव्यांजलि" कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों, शिक्षकों और अन्य प्रतिभागियों द्वारा विविध विषयों जैसे संवेदनाएँ, भावनाएँ, कल्पना, ज्ञान, प्रेम, संस्कृति और परंपरा पर आधारित कविताओं का प्रभावशाली पाठ किया गया। उनकी रचनाओं ने श्रोताओं को साहित्यिक आनंद से अभिभूत कर दिया और हिंदी भाषा की गहराई तथा व्यापकता को उजागर किया। प्रतिभागियों की कविताओं में जहां एक ओर मानवीय संवेदनाओं और भावनाओं की झलक

थी, वहीं दूसरी ओर भारतीय सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं का सुंदर चित्रण भी प्रस्तुत हुआ।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा और अभिव्यक्ति कौशल ने विशेष रूप से सभी का ध्यान आकर्षित किया। उनकी प्रस्तुतियाँ न केवल साहित्यिक दृष्टि से समृद्ध थीं, बल्कि उनमें समाज, जीवन और मानवीय मूल्यों के प्रति गहरी संवेदनशीलता भी झलक रही थी। कार्यक्रम में सम्माननीय प्राध्यापक प्रो. नवीन कानगो, प्रो. विनोद भारद्वाज, डॉ. महेंद्र कुमार, तथा सहायक कुलसचिव ममता त्रिपाठी सहित विश्वविद्यालय के अनेक प्राध्यापकों की उपस्थिति ने आयोजन को और भी गरिमामय बना दिया। कार्यक्रम के अंत में अभिषेक ऋषि सक्सेना ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए हिंदी पखवाड़ा के इस महत्वपूर्ण आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

समग्र रूप से "काव्यांजलि" कार्यक्रम न केवल हिंदी भाषा के साहित्यिक सौंदर्य और संवेदनशीलता को अभिव्यक्त करने का मंच बना, बल्कि इसने विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक वातावरण में भी नई ऊर्जा और सृजनशीलता का संचार किया।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह-2025
काव्यांजलि

पुरस्कार वितरण एवं मुख्य समापन समारोह

(26 सितम्बर, 2025)

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्त्वावधान में हिंदी पखवाड़ा- 2025 का 'पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह' विश्वविद्यालय के गौर समिति कक्ष में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सागर के युवा एवं ऊर्जावान जेल अधीक्षक श्री मानेन्द्र सिंह परिहार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वाय.एस. ठाकुर ने की।

कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य देते हुए संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने कहा कि हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं और वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी। उन्होंने बताया कि हिन्दी का प्रचार-प्रसार न केवल देश में बल्कि पूरे विश्व में हो रहा है। स्पेनिश भाषा को पछाड़ते हुए हिंदी वैश्विक प्रसार के मामले में तीसरे पायदान पर पहुंच चुकी है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने हिंदी पखवाड़ा में हुए विभिन्न गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि पखवाड़े के दौरान केन्द्रीय विद्यालय के बच्चों से लेकर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों अधिकारियों एवं कर्मचारियों सभी के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए।

माल्यार्पण, स्वागत एवं संदेश वाचन

1. **माँ सरस्वती एवं डॉ. गौर के चित्र पर माल्यार्पण।**

कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय कुलपति प्रो. वाय.एस. ठाकुर, मुख्य अतिथि श्री मानेन्द्र सिंह परिहार, कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय एवं संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा द्वारा माँ सरस्वती एवं विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. गौर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

2. **माननीय कुलपति महोदय का स्वागत।**

हिंदी पखवाड़ा- 2025 के संयोजक श्री सोहगौरा ने विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति एवं समारोह के अध्यक्ष प्रो. वाय.एस. ठाकुर का पुष्पगुच्छ भेंट कर समिति की ओर से स्वागत किया।

3. **कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं समिति के सम्मानित सदस्यों का स्वागत।**

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मानेन्द्र सिंह का स्वागत विश्वविद्यालय की सहायक कुलसचिव श्रीमती ए. लक्ष्मी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय का स्वागत सहायक कुलसचिव श्री राजू प्रसाद ने तथा हिंदी पखवाड़ा के संयोजक श्री संतोष सोहगौरा का स्वागत नेटवर्किंग प्रशासक श्री सचिन सिंह गौतम ने किया।

4. **हिन्दी दिवस के अवसर पर माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी के संदेश का वाचन- हिन्दी अधिकारी द्वारा।**

संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी श्री सोहगौरा ने हिंदी दिवस के अवसर पर माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी के संदेश का वाचन किया तथा विश्वविद्यालय के सम्माननीय शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का आवाहन किया कि हम सब समन्वित प्रयास कर विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाएं।

5. **हिन्दी पखवाड़ा-2025 के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की रिपोर्ट।**

हिन्दी पखवाड़ा-2025 के संयोजक श्री सोहगौरा ने समिति को अवगत कराया कि हिन्दी पखवाड़ा के दौरान शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों हेतु

विभिन्न कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। उन्होंने बताया कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार इस वर्ष हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन दिनांक 14-15 सितम्बर, 2025 हिन्दी दिवस एवं 5वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के रूप में गांधीनगर, गुजरात में माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम में गुजरात राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री अर्जुनराम मेघवाल, गृह राज्य मंत्री श्री बंडी संजय कुमार, संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष श्री भर्तहरी माहताब, गांधीनगर के सांसद श्री दिनेश मकवाना, गुजराती एवं हिंदी के अनन्य सेवक प्रो. विजय पाण्ड्या, राजभाषा विभाग की सचिव श्रीमती अंशुलि आर्या एवं संयुक्त सचिव डॉ. मीनाक्षी जौली आदि उपस्थित रहे। सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय में भी उक्त कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की व्यवस्था की गई थी। पखवाड़ा के दौरान शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा भारतीय भाषाओं में अभिव्यक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लगभग 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के विद्यार्थियों हेतु 'विकसित भारत@2047' विषय पर हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता में लगभग 80 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों हेतु आयोजित 'टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता' में लगभग 30 कार्मिकों तथा आशुभाषण प्रतियोगिता में 09 अधिकारियों ने अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की। इस दौरान विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु हिंदी यूनीकोड: परिचय एवं प्रयोग विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 50 से अधिक कार्मिकों ने भाग लिया। अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति हेतु आयोजित काव्यांजलि कार्यक्रम में 80 से अधिक शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने रचना पाठ किया।

6. हिन्दी पखवाड़ा-2025 के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण।

कार्यक्रम के दौरान माननीय अध्यक्ष महोदय, मुख्य अतिथि श्री मानेन्द्र सिंह परिहार, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय तथा संयुक्त कुलसचिव

एवं राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा द्वारा निम्नलिखित तालिका के अनुसार नकद पुरस्कार, प्रमाण-प्रत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता

(केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के विद्यार्थियों हेतु)

1	कु. वेदिका दुबे, कक्षा- 10	प्रथम
2	श्री कार्तिक चौरसिया, कक्षा- 10	द्वितीय
3	श्री रचित श्रीवास्तव, कक्षा- 10	तृतीय

टिप्पण एवं लेखन प्रतियोगिता

(विश्वविद्यालय के नियमित एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों हेतु)

1	श्री अंकित जैन, अवर श्रेणी लिपिक	प्रथम
2	श्री अभिनव अग्निहोत्री, अवर श्रेणी लिपिक	द्वितीय
3	श्रीमती शिवानी चौरसिया, अवर श्रेणी लिपिक	तृतीय

आशुभाषण प्रतियोगिता

(अधिकारियों हेतु)

1	श्री राजकुमार पाल, सहायक कुलसचिव	प्रथम
2	श्रीमती ए. लक्ष्मी, सहायक कुलसचिव	द्वितीय
3	श्री राजू प्रसाद, सहायक कुलसचिव	द्वितीय
4	श्री सचिन सिंह गौतम, नेटवर्किंग एडमिनिस्ट्रेटर	तृतीय

7. उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु राजभाषा पदक एवं पुरस्कार का वितरण।

विश्वविद्यालय के कार्यालयीन कामकाज में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग एवं नवाचार सुनिश्चित करने वाले एक शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी को प्रोत्साहन स्वरूप प्रत्येक वित्तीय वर्ष में राजभाषा पदक, नकद पुरस्कार, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किया जाता है। उक्त संदर्भ में प्राप्त प्रविष्टियों के आधार पर वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए निम्नलिखित

तालिका के अनुसार राजभाषा पदक एवं पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यालय में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु राजभाषा पदक एवं पुरस्कार

क्र.	विजेता का नाम एवं पदनाम	संवर्ग	टिप्पणी
1.	श्री दीपक कुमार शाक्य, सहायक कुलसचिव	अधिकारी संवर्ग	संयुक्त रूप से
2.	श्री रूपेन्द्र चौरसिया, वरिष्ठ प्रणाली विश्लेषक	अधिकारी संवर्ग	
3.	श्री अभिनव अग्निहोत्री, अवर श्रेणी लिपिक	कर्मचारी संवर्ग	-

8. हिन्दी पखवाड़ा-2025 के दौरान आयोजित कार्यक्रमों के समन्वयकों/ निर्णायकों का सम्मान।

सदस्य-सचिव एवं हिंदी पखवाड़ा-2025 के संयोजक ने बताया कि हिन्दी पखवाड़ा-2025 का आयोजन विभिन्न कार्यक्रमों के समन्वयकों तथा प्रतियोगिताओं के निर्णायकों के निस्वार्थ सहयोग से ही सफल हो सका है। इस अवसर पर निम्नलिखित तालिका के अनुसार आप सभी को सम्मानित करने का प्रस्ताव है।

क्र.	कार्यक्रम/प्रतियोगिता नाम	समन्वयक/प्रतियोगिता निर्णायक
1.	उद्घाटन समारोह एवं हिंदी कार्यशाला	डॉ. रूपेन्द्र चौरसिया
		सचिन सिंह गौतम
2.	भारतीय भाषाओं में अभिव्यक्ति	डॉ.रूपेद्र चौरसिया
3.	हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता	श्री आर.एस. वर्मा
		श्री योगेन्द्र कुमार
4.	टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता	डॉ. आर.टी बेद्रे
		डॉ.संजय किशनराव नाईनवाड
5.	आशुभाषण प्रतियोगिता	श्री संतोष सोहगौरा
6.	हिन्दी यूनिकोड : परिचय एवं प्रयोग विषय पर हिन्दी कार्यशाला	डॉ. रूपेन्द्र चौरसिया
		सचिन सिंह गौतम
7.	काव्यांजलि	डॉ. हिमांशु कुमार
		डॉ. अनूपी समैया

उद्बोधन एवं आभार ज्ञापन

9. मुख्य अतिथि श्री मानेन्द्र सिंह परिहार जी का उद्बोधन।

राजभाषा अधिकारी एवं पखवाड़ा संयोजक श्री संतोष सोहगौरा ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रदान करते हुए बताया कि श्री मानेन्द्र सिंह परिहार युवा एवं ऊर्जावान प्रशासनिक अधिकारी है। जेल अधीक्षक के नाते बंदी सुधार, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण तथा रोजगार के लिए अभिनव प्रयास किए हैं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री मानेन्द्र सिंह परिहार ने हिन्दी पखवाड़ा के आयोजन के बारे कहा कि यह एक सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी आयोजन है। उन्होंने कहा कि हिंदी रोजगार की भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है। हमारे अनेक युवा हिंदी माध्यम में प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो रहे हैं। इसलिए अब यह आवश्यक है कि पूर्ण आत्मविश्वास के साथ हिंदी का प्रयोग किया जाए। सरकार भी अपने स्तर पर इस दिशा में अपने प्रयास तो कर रही है लेकिन इसमें नागरिक समाज और स्थानीय प्रशासन की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने इस दिशा में विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ एवं उसके प्रभारी अधिकारी श्री सोहगौरा के प्रयासों को अनुकरणीय बताया।

10. अध्यक्षीय उद्बोधन- माननीय कुलपति महोदय द्वारा।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वाय.एस.ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी हमारे स्वप्नों की और अंत:करण की भाषा है। हम अपने हर्ष और विषाद की अभिव्यक्ति अपनी मातृभाषा में ही करते हैं। आवश्यकता है तो इसे अपने कार्यालयीन व्यवहार में भी अधिकाधिक प्रयोग किए जाने की। विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार और बढ़ावा देने के लिए त्वरित गति से प्रयास किये जा रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्य को राजभाषा कार्यान्वयन को प्रभावी बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित होना चाहिए। हिन्दी में उत्कृष्ट पाठ्य सामग्री निर्माण करने के लिए और अधिक प्रयास किए जाने चाहिए।

11. आभार ज्ञापन- कुलसचिव द्वारा।

विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से माननीय अध्यक्ष महोदय प्रो. वाय.एस. ठाकुर, मुख्य अतिथि श्री मानेन्द्र सिंह परिहार, विभिन्न अध्ययनशालाओं के अधिष्ठाताओं, समिति के सम्मानित सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का आभार कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने व्यक्त किया।

XXX

आमंत्रण
राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
हिन्दी पखवाड़ा समारोह
14-26 सितम्बर, 2025
राजभाषा कार्यान्वयन समिति
की 50वीं तिमाही बैठक एवं हिन्दी पखवाड़ा
समापन व पुरस्कार वितरण समारोह
मुख्य अतिथि
श्री मानेन्द्र सिंह परिहार
जिला जेल अधीक्षक, सागर (म.प्र.)
अध्यक्ष/संरक्षक
प्रो. वाय.एस. ठाकुर
माननीय कुलपति
26 सितम्बर 2025
मध्याह्न 12.00 बजे
गौर समिति कक्ष
समारोह में आप सभी सादर आमंत्रित हैं.
संतोष सोहगौरा
संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी
डॉ. एस.पी. उपाध्याय
कुलसचिव

हिंदी अंत:करण की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है: कुलपति

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में विवि की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक एवं हिंदी पखवाड़ा 2025 का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जेल अधीक्षक मानेन्द्रम सिंह परिहार, अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. वायएस ठाकुर ने की। स्वागत वक्तव्य देते हुये संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने कहा कि हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिये हम सभी कटिबद्ध हैं और वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी। हिन्दी का प्रचार-प्रसार न केवल देश में बल्कि पूरे विश्व में हो रहा है। स्पेनिश भाषा को पछाड़ते हुये हिंदी वैश्विक प्रसार के मामले में तीसरे पायदान पर पहुंच चुकी है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने हिंदी पखवाड़ा में हुये विभिन्न गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुये कहा कि पखवाड़े के दौरान केन्द्रीय विद्यालय के बच्चों से लेकर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों अधिकारियों एवं कर्मचारियों सभी के लिये कार्यक्रम आयोजित किये गये। मानेन्द्र सिंह परिहार ने कहा कि यह एक सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी आयोजन है। हिंदी रोजगार की भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है। हमारे अनेक युवा हिंदी माध्यम में प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो रहे हैं। इसलिये अब यह आवश्यक है कि पूर्ण आत्मविश्वास के साथ हिंदी का प्रयोग किया जाये। इस दिशा में विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ एवं उसके प्रभारी अधिकारी सोहगौरा के प्रयासों को अनुकरणीय बताया। कुलपति प्रो. वायएस ठाकुर ने कहा कि हिंदी हमारे स्वप्नों की और अंत: करण की भाषा है। हम अपने हर्ष और विषाद की अभिव्यक्ति अपनी मातृभाषा में ही करते हैं। आवश्यकता है तो इसे अपने कार्यालयीन व्यवहार में भी अधिकाधिक प्रयोग किये जाने की। विवि द्वारा हिंदी के प्रचार प्रसार और बढ़ावा देने के लिये त्वरित गति से प्रयास किये जा रहे हैं। इस अवसर पर हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा पदक एवं पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विवि के विभिन्न अध्ययनशालाओं के अधिष्ठाता, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हिंदी पखवाड़ा का समापन...

हिंदी माध्यम में प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो रहे हैं युवा: मानेंद्र सिंह

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर . डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्वावधान आयोजित हिंदी पखवाड़ा का समापन शुक्रवार को हुआ। मुख्यअतिथि जेल अधीक्षक मानेंद्र सिंह परिहार ने कहा कि यह एक सर्वव्यापी आयोजन है। उन्होंने कहा कि हिंदी रोजगार की भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है। हमारे अनेक युवा हिंदी माध्यम में प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो रहे हैं। इसलिए अब यह आवश्यक है कि पूर्ण आत्मविश्वास के साथ हिंदी का प्रयोग किया जाए। सरकार भी अपने स्तर पर इस दिशा में प्रयास कर रही है

अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वायएस ठाकुर ने कहा कि हिंदी हमारे अंतःकरण की भाषा है। हम अपने हर्ष और विषाद की अभिव्यक्ति अपनी मातृभाषा में ही करते हैं। आवश्यकता है तो इसे अपने कार्यालयीन व्यवहार में भी अधिकाधिक प्रयोग किए जाने की। विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार और बढ़ावा देने के लिए त्वरित गति से प्रयास किये जा रहे हैं।

संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने कहा कि हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं और वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी। उन्होंने बताया कि हिंदी का प्रचार-प्रसार न केवल देश में बल्कि पूरे विश्व में हो रहा है। स्पेनिश भाषा को पछाड़ते हुए हिंदी वैश्विक प्रसार के मामले में तीसरे पायदान पर पहुंच चुकी है।

इस अवसर पर हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा पदक एवं पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सहायक कुलसचिव दीपक कुमार शाक्य, राजकुमार पाल, लक्ष्मी, राजू प्रसाद, डॉ. रूपेंद्रा चौरसिया एवं सचिन सिंह गौतम सहित अन्य कर्मचारियों को पुरस्कार मिला। संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग विनोद रजक का रहा।

हिंदी अंत :करण की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है : कुलपति

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक एवं हिंदी पखवाड़ा का 'पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह' विश्वविद्यालय के.गौर समिति कक्ष में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जेल अधीक्षक मानेन्द्र सिंह परिहार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वायएस ठाकुर ने की। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य देते हुए संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं और वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी।

उन्होंने बताया कि हिन्दी का प्रचार-प्रसार न केवल देश में बल्कि पूरे विश्व में हो रहा है। स्पेनिश भाषा को पछाड़ते हुए हिंदी वैश्विक प्रसार के मामले में तीसरे पायदान पर पहुंच चुकी है। मुख्य अतिथि मानेन्द्र सिंह परिहार ने कहा कि यह एक सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी आयोजन है। उन्होंने कहा कि हिंदी रोजगार की भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है। हमारे अनेक युवा हिंदी माध्यम में प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो रहे हैं। इसलिए अब यह आवश्यक है कि पूर्ण आत्मविश्वास के साथ हिंदी का प्रयोग किया जाए।

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हम अपने हर्ष और विषाद की अभिव्यक्ति अपनी मातृभाषा में ही करते हैं : समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वायएस ठाकुर ने कहा कि हिंदी हमारे स्वप्नों की और अंतःकरण की भाषा है। हम अपने हर्ष और विषाद की अभिव्यक्ति अपनी मातृभाषा में ही करते हैं। आवश्यकता है तो इसे अपने कार्यालयीन व्यवहार में भी अधिकाधिक प्रयोग किए जाने की। विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार और बढ़ावा देने के लिए त्वरित गति से प्रयास किए जा रहे हैं।

विजेताओं को दिए पुरस्कार : इस अवसर पर हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा पदक एवं पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार विजेताओं में सहायक कुलसचिव दीपक कुमार शाक्य, राजकुमार पाल, ए लक्ष्मी, राजू प्रसाद, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ से रूपेन्द्र चौरसिया एवं सचिन सिंह गौतम, कर्मचारियों में अंकित जैन, अभिनव अग्निहोत्री, शिवानी चौरसिया और विद्यार्थियों कु. वेदिका दुबे, कार्तिक चौरसिया एवं रचित श्रीवास्तव, प्रो. चंदा बैन, कुलसचिव डा. सत्यप्रकाश उपाध्याय, प्रो. विनोद भारद्वाज, प्रो. यूके पाटिल, पुस्तकालयाध्यक्ष मोहन टीए, आरटी बेड्रे, केवी-4 से प्राचार्य आरएस वर्मा एवं योगेन्द्र कुमार उपस्थित रहे। आभार ज्ञापन कुलसचिव डा. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने दिया। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग विनोद रजक का रहा।

हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता
(केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के विद्यार्थियों हेतु)

कु.वेदिका दुबे, कक्षा - 10
प्रथम पुरस्कार

श्री कार्तिक चौरसिया, कक्षा - 10
द्‌वितीय पुरस्कार

श्री रचित श्रीवास्तव, कक्षा - 10
तृतीय पुरस्कार

टिप्पण एवं लेखन प्रतियोगिता
(विश्वविद्यालय के कर्मचारियों हेतु)

प्रथम पुरस्कार
श्री अंकित जैन
अवर श्रेणी लिपिक
अवकाश शाखा

द्वितीय पुरस्कार
श्री अभिनव अग्निहोत्री
अवर श्रेणी लिपिक
स्थापना अनुभाग

तृतीय पुरस्कार
श्रीमती शिवानी चौरसिया
अवर श्रेणी लिपिक
परीक्षा शाखा

आशुभाषण प्रतियोगिता
(विश्वविद्यालय के अधिकारियों हेतु)

प्रथम पुरस्कार
श्री राज कुमार पाल
सहायक कुलसचिव
शोध एवं विकास शाखा

द्वितीय पुरस्कार
श्रीमती ए. लक्ष्मी
सहायक कुलसचिव
परीक्षा शाखा

संयुक्त रूप से द्वितीय पुरस्कार
श्री राजू प्रसाद
सहायक कुलसचिव
परीक्षा शाखा

तृतीय पुरस्कार
श्री सचिन सिंह गौतम
नेटवर्किंग एडमिनिस्ट्रेटर
सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ

वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु राजभाषा पदक एवं पुरस्कार

(विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु)

अधिकारी संवर्ग (संयुक्त रूप से)
श्री दीपक शाक्य
सहायक कुलसचिव
वित्त एवं लेखा शाखा

अधिकारी संवर्ग (संयुक्त रूप से)
श्री रूपेन्द्र चौरसिया
वरिष्ठ प्रणाली विश्लेषक
सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ

कर्मचारी संवर्ग
श्री अभिनव अग्निहोत्री
अवर श्रेणी लिपिक
स्थापना अनुभाग

हिन्दी पखवाड़ा-2025 के दौरान आयोजित कार्यक्रमों के समन्वयकों/ निर्णायकों का सम्मान

उद्घाटन समारोह एवं हिन्दी
कार्यशाला समन्वयक
श्री रूपेन्द्र चौरसिया
वरिष्ठ प्रणाली विश्लेषक
सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ

उद्घाटन समारोह एवं हिन्दी
कार्यशाला समन्वयक
श्री सचिन सिंह गौतम
नेटवर्किंग एडमिनिस्ट्रेटर
सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ

हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता
समन्वयक
श्री आर.एस. वर्मा
प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय क्र. 04

हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता निर्णायक
श्री योगेन्द्र कुमार
टीजीटी हिन्दी, केन्द्रीय विद्यालय क्र. 04

टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता समन्वयक
डॉ. आर.टी. बेद्रे
निदेशक, मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र

टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता निर्णायक
डॉ. संजय किशनराव नाईनवाड
सह-प्रोफेसर, हिन्दी विभाग

काव्यांजलि समन्वयक
डॉ. हिमांशु कुमार
सहायक प्रोफेसर, हिन्दी विभाग

काव्यांजलि समन्वयक
डॉ. अनूपी समैया
सहायक प्रोफेसर, शिक्षा विभाग

हिन्दी पखवाड़ा-2025 समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में पधारे अतिथियों का सम्मान

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलपति प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर का सम्मान करते हुए संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा

कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि श्री मानेन्द्र सिंह परिहार, जेल अधीक्षक, सागर (म.प्र.) को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए माननीय कुलपति प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर ।

कार्यक्रम में पधारे कुलसचिव, डॉ. एस.पी. उपाध्याय का सम्मान करते हुए उपकुलसचिव श्री सतीश कुमार।

हिन्दी पखवाड़ा 2025 के संयोजक श्री संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी का सम्मान करते हुए श्री राजू प्रसाद, सहायक कुलसचिव, परीक्षा शाखा।

हिन्दी पखवाड़ा के समापन कार्यक्रम के दौरान हिन्दी राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य पर श्री संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी को जिला प्रशासन सागर द्वारा 15 अगस्त, 2025 को स्वतंत्रता दिवस समारोह पर सम्मानित किये जाने पर माननीय कुलपति महोदय द्वारा उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की गयीं।

राजभाषा प्रकोष्ठ
HINDI CELL
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M.P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय A CENTRAL UNIVERSITY)

ई-मेल : rajbhasha@dhsgsu.edu.in
दूरभाष क्र. : (07582) 297118

क्र. राभाप्र/31/2025/५०३२ 10 सितम्बर, 2025

परिपत्र

सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से विश्वविद्यालय में इस वर्ष भाषा पर्व-हिन्दी दिवस को **'हिन्दी पखवाड़ा'** के रूप में आयोजित किया जा रहा है। दिनांक 14 सितम्बर, 2025 से आरम्भ होकर 26 सितम्बर, 2025 तक होने वाले हिन्दी पखवाड़े में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा किया जा रहा है।

कार्यक्रम विवरण
(दिनांक 14.09.2025 से 26.09.2025 तक)

संरक्षक : प्रो. वाय.एस. ठाकुर, माननीय कुलपति
सह-संरक्षक : डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय, कुलसचिव
संयोजक : श्री संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी (प्र.)

क्र	तिथि	कार्यक्रम विवरण	कार्यक्रम समन्वयक /निर्णायक	कार्यक्रम स्थल
1.	14 सितम्बर, 2025 (रविवार) प्रात: 10:00 बजे	**गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं एग्जिविशन सेंटर, गांधी नगर, गुजरात में आयोजित हिन्दी दिवस एवं अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का प्रसारण** (मंत्रालय से कार्यक्रम की लिंक प्राप्त होने पर विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों को परिचालित की जाएगी।)	डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिया श्री सचिन सिंह गौतम सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ	गौर समिति कक्ष
2.	18 सितम्बर, 2025 (गुरूवार) अपराह्न 02:00 बजे	**भारतीय भाषाओं में अभिव्यक्ति** (विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों हेतु 'भारतीय भाषा प्रकोष्ठ' के सौजन्य से)	प्रो. देवाशीष बोस डॉ. किरण आर्या भारतीय भाषा प्रकोष्ठ	कौटिल्य भवन वैली कैम्पस अपराधशास्त्र सभागार
3.	19 सितम्बर, 2025 (शुक्रवार) पूर्वाह्न 11:00 बजे	**हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता** **विषय: विकसित भारत@2047** (केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-04 के विद्यार्थियों हेतु)	श्री आर.एस. वर्मा प्राचार्य एवं श्री योगेन्द्र कुमार टीजीटी (हिंदी) केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-04, वि.वि. सागर	केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-04
4.	22 सितम्बर, 2025 (सोमवार) पूर्वाह्न 11:00 बजे	**टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता** (नियमित एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों हेतु)	डॉ. आर.टी बेद्रे एमएमटीटीसी डॉ. संजय नैनवाड़ हिन्दी विभाग	मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र (एचआरडीसी)
5.	23 सितम्बर, 2025 (मंगलवार) सायंकाल 04:00 बजे	**आशुभाषण प्रतियोगिता** (विश्वविद्यालय के अधिकारियों हेतु)	श्री संतोष सोहगौरा संयुक्त कुलसचिव	गौर समिति कक्ष
6.	24 सितम्बर, 2025 (बुधवार) अपराह्न 02:00 बजे	**हिंदी यूनीकोड : परिचय एवं प्रयोग विषय पर हिंदी कार्यशाला** (विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु)	राजभाषा प्रकोष्ठ	रंगनाथन सभागार, पुस्तकालय विस्तार भवन

Page 1 of 2

क्र	तिथि	कार्यक्रम विवरण	कार्यक्रम समन्वयक /निर्णायक	कार्यक्रम स्थल
		विषय विशेषज्ञ : श्री राजेश श्रीवास्तव संयुक्त निदेशक, राजभाषा गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली अथवा अन्य कोई हिन्दी विशेषज्ञ		
7.	25 सितम्बर, 2025 (गुरूवार) अपराह्न 03:00 बजे	**काव्यांजलि** (विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु)	डॉ. हिमांशु कुमार डॉ. अनूपी समैया	रंगनाथन सभागार, पुस्तकालय विस्तार भवन
8.	26 सितम्बर, 2025 (शुक्रवार) मध्याह्न 12:00 बजे	**विश्वविद्यालयी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 50वीं तिमाही बैठक एवं हिंदी पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह** **विशिष्ट अतिथि** **माननीय श्री मानेन्द्र सिंह** जिला जेल अधीक्षक, सागर (म.प्र.) **अध्यक्षता** **प्रो. वाय.एस. ठाकुर** **मान. कुलपति महोदय**	राजभाषा प्रकोष्ठ	गौर समिति कक्ष

विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से अनुरोध है कि कृपया हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित कर इसे सफल बनाएं।

नोट-

1. समस्त प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं/अथवा प्रमाणपत्र दिनांक **26 सितम्बर, 2025 (शुक्रवार)** को **हिन्दी पखवाड़ा के 'समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह'** के दौरान प्रदान किया जायेगा।
2. प्रतियोगिताओं के परिणामों हेतु कार्यक्रम समन्वयक/निर्णायक/संयोजक/सक्षम प्राधिकारी का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।
3. प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता के इच्छुक विद्यार्थियों/शिक्षकों/अधिकारियों/कर्मचारियों को अपना नाम प्रतियोगिता/ कार्यक्रम समन्वयक/निर्णायक के पास प्रतियोगिता आयोजन तिथि से एक दिन पूर्व अनिवार्य रूप से अंकित करवाना होगा।
4. प्रतियोगिताओं हेतु नियम एवं दिशानिर्देश कार्यक्रम समन्वयक/निर्णायक द्वारा प्रतियोगिता के पूर्व घोषित किए जायेंगे जो कि समस्त प्रतिभागियों हेतु बाध्यकारी होंगे।

आदेशानुसार,

१२/९/२५

कुलसचिव

प्रतिलिपि :

1. समस्त निदेशक/अधिष्ठाता (प्रशासनिक एवं अध्ययनशालाएँ)।
2. समस्त विभागाध्यक्ष।
3. समस्त अधिकारी/प्रभारी/शाखा प्रभारी। - कृपया अपने अधीनस्थ अधिकारी/कर्मचारियों को टीप कराने का कष्ट करें।
4. प्रभारी वेबसाइट प्रकोष्ठ/मीडिया अधिकारी - समुचित प्रचार-प्रसार हेतु।
5. प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 सागर (म.प्र.)।
6. कुलपति सचिवालय, माननीय कुलपति को सादर सूचनार्थ।
7. कुलसचिव के निजी सहायक।
8. अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर (म.प्र.)।
9. संबंधित नस्ती।

संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी (प्र.)

भारतीय सभ्यता की अविरल धारा प्रमुख रूप से हिंदी भाषा से ही जीवंत तथा सुरक्षित रह पाई है।
- माननीय श्री अमित शाह, गृह मंत्री, भारत सरकार

Page 2 of 2

हिंदी दिवस 2025
के अवसर पर
माननीय गृह मंत्री जी
का संदेश
कर्तव्य भवन
राजभाषा विभाग
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

प्रिय देशवासियो !

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत मूलतः भाषा–प्रधान देश है। हमारी भाषाएँ सदियों से संस्कृति, इतिहास, परंपराओं, ज्ञान–विज्ञान, दर्शन और अध्यात्म को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम रही हैं। हिमालय की ऊँचाइयों से लेकर दक्षिण के विशाल समुद्र तटों तक, मरुभूमि से लेकर बीहड़ जंगलों और गाँव की चौपालों तक, भाषाओं ने हर परिस्थिति में मनुष्य को संवाद और अभिव्यक्ति के माध्यम से संगठित रहने और एकजुट होकर आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया है।

मिलकर चलो, मिलकर सोचो और मिलकर बोलो, यही हमारी भाषाई और सांस्कृतिक चेतना का मूल मंत्र रहा है।

भारत की भाषाओं की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उन्होंने हर वर्ग और समुदाय को अभिव्यक्ति का अवसर दिया। पूर्वोत्तर में बीहू का गान, तमिलनाडु में ओवियालू की आवाज, पंजाब में लोहड़ी के गीत, बिहार में विद्यापति की पदावली, बंगाल में बाउल संत के भजन, आदिम समाज में ढोल–मांदर की थाप पर करमा की गूँज, माताओं की लोरियाँ, किसानों का बारहमासा, कजरी गीत, भिखारी ठाकुर की 'बिदेशिया', इन सबने हमारी संस्कृति को जीवन्त और लोककल्याणकारी बनाया है।

मेरा स्पष्ट मानना है कि भारतीय भाषाएँ एक दूसरे की सहचर बनकर, एकता के सूत्र में बंधकर आगे बढ़ रही हैं। संत तिरुवल्लुवर को जितनी भावुकता से दक्षिण में गाया जाता है, उतनी ही रुचि से उत्तर में भी पढ़ा जाता है। कृष्णदेवराय जितने लोकप्रिय दक्षिण में हुए, उतने ही उत्तर में भी। सुब्रमण्यम भारती की राष्ट्रप्रेम से ओत–प्रोत रचनाएँ हर क्षेत्र के युवाओं में राष्ट्रप्रेम को प्रबल बनाती हैं। गोस्वामी तुलसीदास को हर एक देशवासी पूजता है, संत कबीर के दोहे तमिल, कन्नड़ और मलयालम अनुवादों में पाए जाते रहे हैं। सूरदास की पदावली दक्षिण भारत के मंदिरों और संगीत परंपरा में आज भी प्रचलित है। श्रीमंत शंकरदेव, महापुरुष माधवदेव को हर एक वैष्णव जानता है। और, भूपेन हजारिका को हरियाणा का युवा भी गुनगुनाता है।

गुलामी के कठिन दौर में भी भारतीय भाषाएँ प्रतिरोध की आवाज बनीं और आज़ादी के आंदोलन को राष्ट्रव्यापी बनाने में भूमिका निभाई। हमारे स्वाधीनता सेनानियों ने जनपदों की भाषाओं में, गाँव–देहात की भाषा में लोगों को आज़ादी के आंदोलन से जोड़ा। हिंदी के साथ ही सभी भारतीय भाषाओं के कवियों, साहित्यकारों और नाटककारों ने लोकभाषाओं, लोककथाओं, लोकगीतों और लोकनाटकों के माध्यम से हर आयु, वर्ग और समाज के भीतर स्वाधीनता के संकल्प को प्रबल बनाया। वन्दे मातरम् और जय हिंद जैसे नारे हमारी भाषाई चेतना से ही उपजे और स्वतंत्र भारत के स्वाभिमान के प्रतीक बने।

जब देश आजाद हुआ, तब हमारे संविधान निर्माताओं ने भाषाओं की क्षमता और महत्ता को देखते हुए

इस पर विस्तार से विचार–विमर्श किया और 14 सितम्बर 1949 को देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को राजभाषा के रूप में अंगीकृत किया। संविधान के अनुच्छेद 351 में यह दायित्व सौंपा गया कि हिंदी का प्रचार–प्रसार हो और वह भारत की सामासिक संस्कृति का प्रभावी माध्यम बने।

पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं और संस्कृति के पुनर्जागरण का एक स्वर्णिम कालखंड आया है। चाहे संयुक्त राष्ट्रसंघ का मंच हो, जी–20 का सम्मेलन या SCO में संबोधन, मोदी जी ने हिंदी और भारतीय भाषाओं में संवाद कर भारतीय भाषाओं का स्वाभिमान बढ़ाया है।

मोदी जी ने आजादी के अमृत काल में गुलामी के प्रतीकों से देश को मुक्त करने के जो पंच प्रण लिए थे, उसमें भाषाओं की बड़ी भूमिका है। हमें अपनी संवाद और आपसी संपर्क भाषा के रूप में भारतीय भाषा को अपनाना चाहिए, न कि किसी विदेशी भाषा को। तभी हम गुलामी की मानसिकता से पूरी तरह मुक्त हो पाएँगे।

राजभाषा हिंदी ने 76 गौरवशाली वर्ष पूरे किए हैं। राजभाषा विभाग ने अपनी स्थापना के स्वर्णिम 50 वर्ष पूर्ण कर हिंदी को जनभाषा और जनचेतना की भाषा बनाने का अद्भुत कार्य किया है। 2014 के बाद से सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को निरंतर बढ़ावा दिया गया है। संसदीय राजभाषा समिति ने वर्ष 1976 में अपनी स्थापना से लेकर 2014 तक माननीय राष्ट्रपति महोदया को प्रतिवेदन के 9 खंड प्रस्तुत किए थे, वहीं 2019 से अब तक 3 खंड प्रस्तुत किए जा चुके हैं। 13–14 नवम्बर 2021 को वाराणसी से प्रारंभ हुए अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलनों की परम्परा भी लगातार आगे बढ़ रही है।

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी राजभाषा विभाग ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन पर आधारित 'कंठस्थ 2.0' में आज 5 करोड़ से अधिक वाक्यों का ग्लोबल डाटाबेस उपलब्ध है। 'लीला राजभाषा' और 'लीला प्रवाह' जैसे शिक्षण पैकेजों के माध्यम से 14 भारतीय भाषाओं में हिंदी सीखने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। वर्ष 2022 में शुरू हुआ 'हिंदी शब्द सिंधु' अब तक लगभग 7 लाख शब्दों से समृद्ध हो चुका है।

2024 में हिंदी दिवस पर 'भारतीय भाषा अनुभाग' की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं के बीच सहज अनुवाद सुनिश्चित करना है। हमारा लक्ष्य यह है कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएँ केवल संवाद का माध्यम न रहकर तकनीक, विज्ञान, न्याय, शिक्षा और प्रशासन की धुरी बनें। डिजिटल इंडिया, ई–गवर्नेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के इस युग में हम भारतीय भाषाओं को भविष्य के लिए सक्षम, प्रासंगिक और वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में भारत को अग्रणी बनाने वाली शक्ति के रूप में विकसित कर रहे हैं।

मित्रों, भाषा सावन की उस बूँद की तरह है, जो मन के दुःख और अवसाद को धोकर नई ऊर्जा और जीवन शक्ति देती है। बच्चों की कल्पना से गढ़ी गई अनोखी कहानियों से लेकर दादी–नानी की लोरियों और किस्सों तक, भारतीय भाषाओं ने हमेशा समाज को जिजीविषा और आत्मबल का मंत्र दिया है।

मिथिला के कवि विद्यापति जी ने ठीक ही कहा है:
"देसिल बयना सब जन मिट्ठा।"
अर्थात् अपनी भाषा सबसे मधुर होती है।

आइए, इस हिंदी दिवस पर हम हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान करने और उन्हें साथ लेकर आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी तथा विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लें।

आप सभी को एक बार फिर से हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

वंदे मातरम्।

नई दिल्ली
14 सितंबर, 2025

(अमित शाह)

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

संदेश

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ !

भारत विविधताओं से परिपूर्ण राष्ट्र है। यहाँ अनेक भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए ही भारतीय संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को एक उन्नत, समृद्ध, वैज्ञानिक और लोकप्रिय भाषा हिंदी को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया गया एवं संविधान में इसके आधिकारिक प्रयोग के संबंध में समुचित प्रावधान किए गए।

हिंदी हमारी संस्कृति की पहचान है तथा राष्ट्रीय चेतना की भाषा है। हिंदी भाषा के प्रति सम्मान को बनाए रखना तथा इसका कार्यालय में अधिक से अधिक प्रयोग करना हमारा संवैधानिक दायित्व है। सरकार और जन साधारण के बीच संपर्क, संवाद और संप्रेषण के माध्यम के रूप में निःसंदेह हिंदी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। स्वयं माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा विश्व के अनेक मंचों पर व सम्मेलनों में हिंदी में अपना उद्बोधन देना, विचारों व मंतव्यों को व्यक्त करना इस बात का प्रमाण है कि सरकार इसके प्रयोग को निरंतर बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी को अपनाने के संवैधानिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए यह अपेक्षित है कि भाषा की सहज और सरल अभिव्यक्ति के माध्यम से हिंदी में टिप्पण एवं पत्राचार को प्रोत्साहित किया जाए। यद्यपि, संघ की राजभाषा नीति का आधार सद्भावना, प्रेरणा एवं प्रोत्साहन है तथापि अन्य सरकारी अनुदेशों के अनुपालन की भांति, इससे संबंधित अनुदेशों का अनुपालन भी दृढ़तापूर्वक किया जाना चाहिए।

हिंदी दिवस के इस पावन अवसर पर हम यह संकल्प लें कि हम सभी गर्व और उत्साह से अपना दैनिक कार्यालयीन कार्य हिंदी में करेंगे और राजभाषा संबंधी प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। मुझे विश्वास है कि हम सामूहिक प्रयासों से शिक्षा मंत्रालय एवं इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन संस्थानों, निकायों, विश्वविद्यालयों आदि में राजभाषा संबंधी लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल होंगे।

जय हिन्द !

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

डॉ. टी.वी. सोमनाथन
Dr. T.V. Somanathan

सत्यमेव जयते

मंत्रिमंडल सचिव
भारत सरकार
CABINET SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

"हिंदी दिवस 2025" के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ!

हिंदी भाषा को संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था, और तब से यह दिन हर साल हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिंदी दिवस का उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसे प्रोत्साहित करना है।

साहित्यिक दृष्टि से हिंदी भाषा समृद्ध होने के साथ, अब यह कम्प्यूटर, इंटरनेट और सोशल मीडिया की भाषा भी बन गई है। यह कला, वाणिज्य और विज्ञान तीनों अकादमिक विषय-धाराओं की भाषा के साथ-साथ विश्व के अनेक देशों में बोली, समझी और पढ़ी जाने वाली भाषा भी बन गई है।

संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, हम सभी अपने-अपने मंत्रालयों और विभागों में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने पर जोर देते हैं। आज हमारे पास हिंदी में काम करने के सभी तकनीकी संसाधन, उपकरण और सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं। हम सब हिंदी समझते, बोलते, पढ़ते और लिखते भी हैं, और हमने अपने प्रयासों से पर्याप्त सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए हैं, तथापि हमें अभी इस दिशा में और प्रगति करनी है।

आइए, हिंदी दिवस के इस अवसर पर हम सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने में अपना योगदान सुनिश्चित करें।

जय हिंद !

सोमनाथन

(टी. वी. सोमनाथन)

14 सितम्बर 2025

Cabinet Secretariat, Rashtrapati Bhavan, New Delhi-110004
Tel.: 011-23016696, 23011241 Fax : 011-23018638 E-mail : cabinetsy@nic.in

डॉ. विनीत जोशी, भा.प्र.से.
सचिव
Dr. VINEET JOSHI, IAS
Secretary
Tel. : 011-23386451, 23382698
E-mail : secy.dhe@nic.in

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
Government of India
शिक्षा मंत्रालय
Ministry of Education
उच्चतर शिक्षा विभाग
Department of Higher Education
127 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001
127 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110 001

अपील

हिंदी हमारी साझा संस्कृति की अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट माध्यम है। किसी भी सुदृढ़, सक्षम एवं मज़बूत राष्ट्र की पहचान उसकी भाषा की भव्यता एवं सामर्थ्य से होती है। हिंदी की व्यापकता एवं उदारता को देखते हुए ही हमारे देश के नीति-निर्धारकों ने अनेकता में एकता को समाहित किए हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को एकसूत्र में पिरोने के लिए हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया था।

आज के वैश्वीकरण तथा आर्थिक उदारीकरण के युग में भाषाओं की प्रासंगिकता उजागर हुई है। हिंदी विश्व की कुछ प्रमुख भाषाओं में एक ऐसी भाषा है जो विश्व व्यापार में एक सशक्त संपर्क सेतु का कार्य कर सकती है, इसलिए भारतवर्ष के विषय में जानकारी रखने वालों के अतिरिक्त व्यापार एवं वाणिज्य क्षेत्र में भी लोग तेजी से हिंदी सीख रहे हैं। विकास के इस दौर में हमारे लिए यह और भी आवश्यक हो गया है कि हम न केवल सरकारी कामकाज में अपितु भारत के चतुर्दिक विकास में भी हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दें जिसका लाभ हम सभी को होगा।

मैं हिन्दी दिवस के इस पावन अवसर पर शिक्षा मंत्रालय और इसके सभी संबद्ध कार्यालयों/संस्थानों/संगठनों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील करता हूँ कि वे अपने-अपने संस्थान/कार्यालय आदि में हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़ा/हिंदी मास के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लें और अपना अधिकाधिक कार्य हिंदी में करें।

हिन्दी दिवस के पावन अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ!

जय हिन्द ! जय हिंदी

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 2025

विनीत जोशी

(डॉ विनीत जोशी)
सचिव

अंशुली आर्या, आई.ए.एस.
सचिव
ANSHULI ARYA, I.A.S.
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राजभाषा विभाग
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE

सं. 11034/06/2025-राजभाषा(नीति)

दिनांक : 15 जुलाई, 2025

आदरणीय महोदय / महोदया

आप जानते ही हैं कि संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया था। इसी उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 351 में संघ से यह अपेक्षा की गई है कि वह हिंदी भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करे जिससे वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी दिवस एवं अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलनों का आयोजन संविधान की भाषाई समरसता की भावना के अनुरूप किया जा रहा है।

2. माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी के मार्गदर्शन में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा हिंदी दिवस-2024 एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का भव्य आयोजन भारत मंडपम्, नई दिल्ली में किया गया था। दो दिवसीय इस महाकुंभ में देश भर के आठ हजार से अधिक हिंदी प्रेमियों और हिंदी सेवियों ने प्रतिभागिता की। पिछले वर्षों की भाँति इस वर्ष भी हिंदी दिवस एवं 5वे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का संयुक्त आयोजन अत्यंत भव्य एवं गरिमामयी रूप में किया जाएगा। **माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी की अध्यक्षता में 14 सितंबर, 2025 को हिंदी दिवस तथा 14 एवं 15 सितंबर, 2025 को 5वे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का सम्मिलित आयोजन महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं एग्जिविशन सेंटर, गांधी नगर, गुजरात में होगा।** प्रसंगवश, यह भी उल्लेख करना समीचीन होगा कि राजभाषा विभाग की स्थापना के स्वर्णिम 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 26 जून, 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में "राजभाषा विभाग स्वर्ण जयंती समारोह" का आयोजन किया गया। इसी उपलक्ष्य में एक अन्य सम्मेलन 11 जुलाई, 2025 को, जीएमसी बालयोगी इनडोर स्टेडियम, हैदराबाद में भी आयोजित किया गया। जिसमें देश भर से आए हिंदी सेवियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

3. आपसे अनुरोध है कि सितंबर माह के दौरान अपने मंत्रालय/विभाग में हिंदी माह/पखवाड़ा पूरे उत्साह से मनाएं। इस दौरान सभी अधिकारियों/कार्मिकों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करें कि वे अधिक से अधिक कामकाज मूलरूप से राजभाषा हिंदी में करें। इसी अवधि के दौरान, राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी कराएं। कृपया यह भी सुनिश्चित कराएं कि आपके मंत्रालय/विभाग के प्रत्येक कार्यालय में हिंदी दिवस का शुभारंभ 14 सितंबर 2025 को महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं एग्जिबिशन सेंटर, गांधी नगर, गुजरात में हो और समापन आपके कार्यालय आदि में हो।

4. इस संबंध में यह भी उल्लेखनीय है कि राजभाषा नियम, 1976 के नियम 12 के अनुसार, केंद्रीय सरकार के प्रत्येक कार्यालय के प्रशासनिक प्रमुख का यह उत्तरदायित्व है कि वह राजभाषा अधिनियम, नियम तथा इनके अंतर्गत समय-समय पर जारी किए गए दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराए। इस अवधि के दौरान सभी मंत्रालयों/विभागों द्वारा अपने सभी कार्मिकों को राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम, 1963, राजभाषा नियम, 1976, राजभाषा संकल्प, 1968 सहित राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा समय-समय पर संघ की राजभाषा नीति से संबंधित जारी दिशा-निर्देशों से अवगत करवाया जाए। सभी अधिकारियों/कार्मिकों को प्रोत्साहित किया जाए कि वे राजभाषा विभाग की वेबसाइट www.rajbhasha.gov.in पर जाकर हिंदी शब्द सिंधु, ई-पत्रिका पुस्तकालय एवं ई-सरल हिंदी वाक्यकोश

(4)

तृतीय तल, एन.डी.सी.सी.-II भवन, जय सिंह रोड, नई दिल्ली-110001
फोन : (91) (11) 23438266, फैक्स : (91) (11) 23438267, ई-मेल : secy-ol@nic.in

जैसे आईटी उत्पादों का भरपूर लाभ उठाएं। इसके अलावा अधिकारियों/कार्मिकों को, यदि अनुवाद टूल की आवश्यकता हो, तो स्मृति आधारित स्वदेशी अनुवाद सॉफ्टवेयर 'कंठस्थ 2.0' के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

5. आपसे अनुरोध है कि अपने मंत्रालय/विभाग के राजभाषा से जुड़े अधिकारियों एवं मंत्रालय के कुछ अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को गांधीनगर, गुजरात में होने वाले हिंदी दिवस एवं 5वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में अनिवार्य रूप से सम्मिलित होने का निर्देश दें। कृपया सभी संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों/बोर्डों/ निगमों आदि को भी ऐसे ही निर्देश मंत्रालय की ओर से जारी किए जाएं।

शुभेच्छु

अं आर्या

(अंशुली आर्या)

भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव

5

हिन्दी पखवाड़ा के समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा प्रेषित शुभकामना संदेश

⑦

दिनांक 26-09-25 को डॉ. हरि सिंह गौर केन्द्रीय वि.वि. के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ।

वि.वि. की राजभाषा समिति द्वारा किए जा रहे प्रयासों और हिन्दी मातृभाषा के विकास/प्रोत्साहन हेतु किए जा रहे उपायों की जानकारी हुई, और जिस प्रकार वि.वि. के कुलपति महो. श्री. वाय. एस. ठाकुर जी, कुल सचिव महो. डॉ. एस. पी. उपाध्याय जी एवं संयुक्त कुलसचिव महो. श्री संतोष सोहगौरा जी के मार्गदर्शन में प्राध्यापकों, छात्रों और समस्त कर्मचारियों के मध्य स्वस्थ्य प्रतियोगिता के द्वारा माहौल बनाया गया है, वह सराहनीय है,

निश्चित ही वि.वि. के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा किए गए कार्य हमारी हिन्दी राजभाषा के विकास को ऊँचाइयों तक पहुँचाएंगे, ऐसी मैं उम्मीद करता हूँ, विश्वास करता हूँ।

'धन्यवाद'

मानेन्द्र सिंह परिहार
जेल अधी.
के. जे. सागर (म.प्र.)

हिन्दी पखवाड़ा-2025 समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान वितरित प्रमाण पत्रों की छायाप्रति

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
राजभाषा पदक
2024-25
श्री अभिनव अग्निहोत्री
अवर श्रेणी लिपिक
वर्ष 2024-25 के दौरान आपने विश्वविद्यालय के कामकाज में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग किया है। राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में आपके इस उल्लेखनीय योगदान हेतु राजभाषा पदक प्रदान किया जाता है।
डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय
कुलसचिव
संतोष सोहगौरा
राजभाषा अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव
प्रो. वाय. एस. ठाकुर
कुलपति

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
हिन्दी पखवाड़ा समारोह-2025
14-26 सितम्बर, 2025
प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि श्री अंकित जैन, अवर श्रेणी लिपिक
ने राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 22 सितम्बर, 2025
को आयोजित 'टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता' में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।
संतोष सोहगौरा
राजभाषा अधिकारी एवं
संयुक्त कुलसचिव
26 सितम्बर 2025, शुक्रवार
प्रो. वाय.एस. ठाकुर
कुलपति

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

हिन्दी पखवाड़ा समारोह-2025

14-26 सितम्बर, 2025

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री अभिनव अग्निहोत्री, अवर श्रेणी लिपिक ने राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 22 सितम्बर, 2025 को आयोजित 'टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता' में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

संतोष सोहगौरा
राजभाषा अधिकारी एवं
संयुक्त कुलसचिव

26 सितम्बर 2025, शुक्रवार

प्रो. वाय.एस. ठाकुर
कुलपति

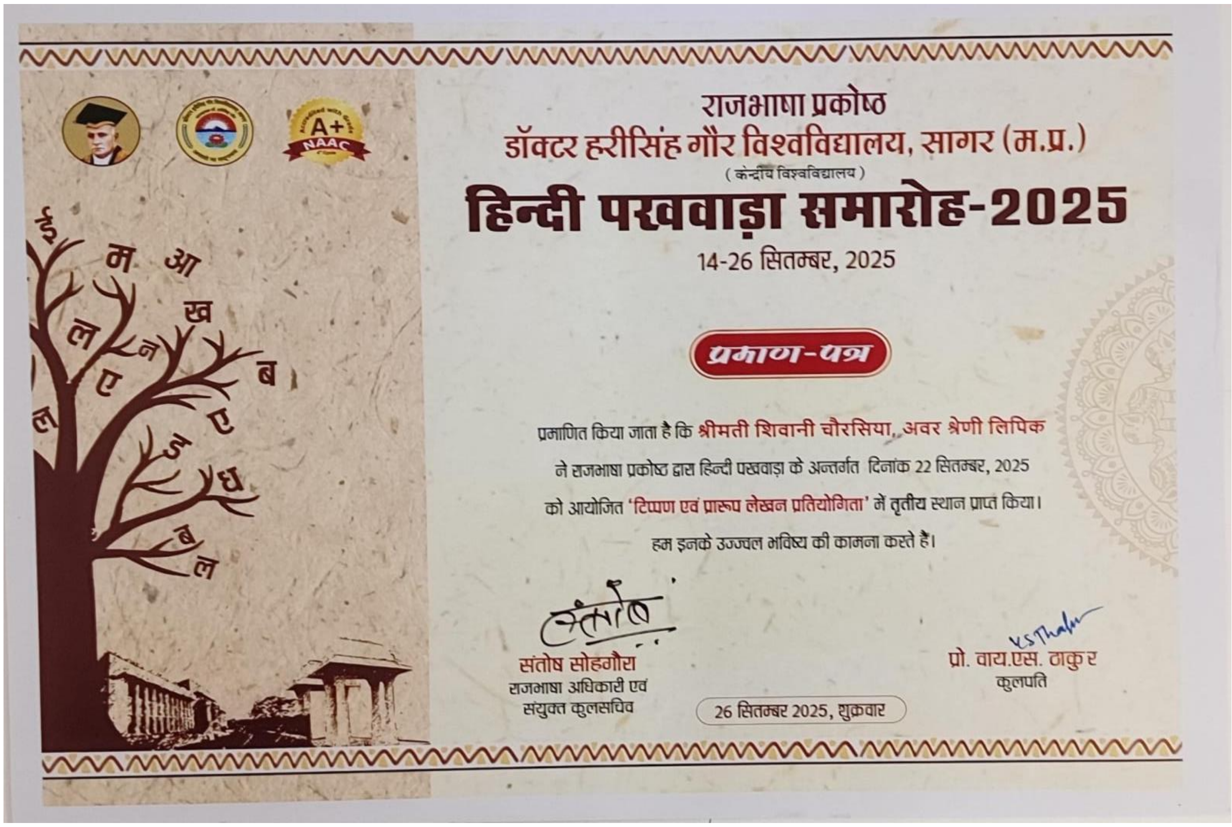

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

हिन्दी पखवाड़ा समारोह-2025

14-26 सितम्बर, 2025

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमती शिवानी चौरसिया, अवर श्रेणी लिपिक ने राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 22 सितम्बर, 2025 को आयोजित 'टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता' में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

संतोष सोहगौरा
राजभाषा अधिकारी एवं
संयुक्त कुलसचिव

26 सितम्बर 2025, शुक्रवार

प्रो. वाय.एस. ठाकुर
कुलपति

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

हिन्दी पखवाड़ा समारोह-2025

14-26 सितम्बर, 2025

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री राजकुमार पाल, सहायक कुलसचिव ने राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 23 सितम्बर, 2025 को आयोजित 'आशुभाषण प्रतियोगिता' में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

संतोष सोहगौरा
राजभाषा अधिकारी एवं
संयुक्त कुलसचिव

26 सितम्बर 2025, शुक्रवार

प्रो. वाय.एस. ठाकुर
कुलपति

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

हिन्दी पखवाड़ा समारोह-2025

14-26 सितम्बर, 2025

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री राजू प्रसाद, सहायक कुलसचिव ने राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 23 सितम्बर, 2025 को आयोजित 'आशुभाषण प्रतियोगिता' में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

संतोष सोहगौरा
राजभाषा अधिकारी एवं
संयुक्त कुलसचिव

26 सितम्बर 2025, शुक्रवार

प्रो. वाय.एस. ठाकुर
कुलपति

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

हिन्दी पखवाड़ा समारोह-2025

14-26 सितम्बर, 2025

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री सचिन सिंह गौतम, नेटवर्किंग एडमिनिस्ट्रेटर ने राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 23 सितम्बर, 2025 को आयोजित 'आशुभाषण प्रतियोगिता' में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

संतोष सोहगौरा
राजभाषा अधिकारी एवं
संयुक्त कुलसचिव

26 सितम्बर 2025, शुक्रवार

प्रो. वाय.एस. ठाकुर
कुलपति

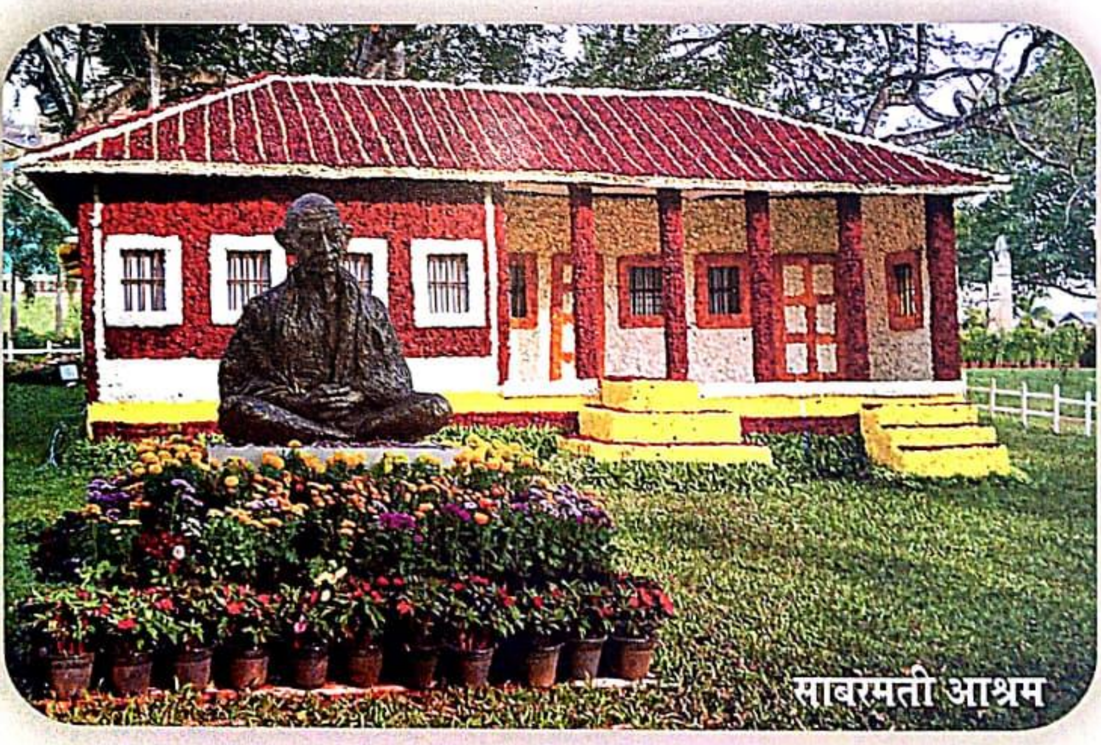
साबरमती आश्रम